# छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 273 ■ अम्बिकापुर, रविवार 26 अक्टूबर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com


# इलाज के नाम पर मौत का सौदा, बेनकाब हुआ अवैध मेडिकल नेटवर्क

## दो क्लिनिक सील, स्वास्थ्य सेवाओं का काला चेहरा उजागर

**छ.ग.फ्रंटलाइन रामानुजगंज।** रामानुजगंज में बिना किसी डिग्री और नर्सिंग एक्ट रजिस्ट्रेशन के झोलाछाप डॉक्टरों ने क्लीनिक और मेडिकल स्टोर के नाम पर इलाज का धंधा खोल रखा था। स्वास्थ्य और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए जीवन ज्योति पैथोलॉजी और नेयाजुद्दीन क्लीनिक को सील कर दिया है। कार्रवाई दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि बिना रजिस्ट्रेशन बोर्ड लगाकर मरीज भर्ती किए जा रहे थे और दवाइयां बिना किसी अनुमति के बेची जा रही थी। ऐसे में इलाज के नाम पर खुलेआम चल रहे जान से खिलवाड़ की तस्वीर सामने आई है।

### अवैध इलाज का अड्डा बना रामानुजगंज

रामानुजगंज शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिक चल रहे थे। शिकायतें लगातार आती रहीं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। शनिवार को एसडीएम आनंद नेताम, बीएमओ डॉ.महेश गुप्ता, नायब तहसीलदार दिनेश नरेटी और पुलिस की संयुक्त टीम ने तड़के से ही छापेमारी शुरू की। जांच के दौरान मिले दस्तावेज़, लाइसेंस, मेडिकल वेस्ट प्रबंधन और रजिस्टरों की जांच में यह साफ हो गया कि न तो रजिस्ट्रेशन था, न योग्य चिकित्सक, फिर भी इलाज जारी था।

### मेडिकल स्टोर के पीछे क्लीनिक का खेल

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. महेश गुप्ता ने माना कि कई जगह मेडिकल स्टोर के नाम पर पीछे क्लीनिक का संचालन हो रहा है। उन्होंने कहा हमारी जांच में पाया गया है कि कई क्लीनिक नर्सिंग एक्ट के तहत रजिस्टर्ड नहीं हैं। बिना रजिस्ट्रेशन इलाज और भर्ती पूरी तरह अवैध है। ऐसी जगहों पर सीलबंदी की कार्रवाई की जा रही है।

### प्रशासन ने दी चेतावनी यह सिर्फ शुरुआत

एसडीएम आनंद नेताम ने कहा कि कार्रवाई अभी शुरू हुई है। जहां भी बिना रजिस्ट्रेशन या फर्जी तरीके से इलाज किया जा रहा है, वहां हमारी टीम दबिश देगी। ऐसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई होगी। इलाज के नाम पर धोखाधड़ी अब नहीं चलेगी।

### विभाग की लापरवाही पर उठे सवाल

सवाल यह भी उठ रहा है कि इतने समय से अवैध क्लीनिक खुलेआम चल रहे थे तो स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था कहां थी? अगर यह कार्रवाई आज संभव है, तो कल तक ये क्लीनिक कैसे बचते रहे ? स्पष्ट है कि विभाग की लापरवाही ने इन फर्जी डॉक्टरों को मनोबल दिया। प्रशासन को अब नियमित निरीक्षण और पंजीकृत चिकित्सकों की सूची सार्वजनिक करनी चाहिए ताकि ग्रामीणों को गुमराह होने से बचाया जा सके।

झोलाछाप डॉक्टरों को इलाज का कोई अधिकार नहीं है। इनके पास न डिग्री है, न अनुभव। ऐसे लोगों से इलाज कराना खुद के जान को जोखिम में डालने जैसा है।
**अरविंद नेताम, एसडीएम**

# महिला एवं बाल विकास मंत्री ने ब्लड बैंक भवन का किया शुभारंभ

### जीवन दीप समिति की बैठक में आवश्यक सुविधाओं को कार्ययोजना में किया गया शामिल

**छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभाकक्ष में जीवन दीप समिति की बैठक का आयोजन भटगांव विधायक एवं महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने इस अवसर पर ब्लड बैंक भवन का शुभारंभ फीता काटकर किया। बैठक की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन से की गई। बीएमओ राकेश सिंह ने बैठक में डॉक्टरों की कमी को दूर करने, चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ के लिए आवासीय भवन, जांच की संख्या बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। बैठक में वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना में अस्पताल परिसर में नवीन भवन निर्माण, गार्डन, सफाई कर्मियों की नियुक्ति, लिफ्ट की मरम्मत, तीन बोरवेल, बाउंड्रीवॉल, सौंदर्यीकरण, पांच वाटर कूलर, शव वाहन, मर्च्युरी निर्माण जैसी आवश्यक सुविधाएं बहाल करने हेतु कार्ययोजना में शामिल की गईं। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, जनपद अध्यक्ष सुलोचनी पैकरा, जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष सुनील साहू, महामंत्री शांतनु गोयल, लालचंद शर्मा, राकेश पाठक, अनिमेष दुबे, अमन प्रताप सिंह, संदीप दुबे, अभय गुप्ता, रूपेंद्र कुशवाहा, नितिन कुशवाहा, अखंड सिंह, आयुष अग्रवाल, अभिषेक गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. केडी पैकरा, जनपद सीईओ विनय गुप्ता, बीएमओ डॉ. राकेश सिंह, एसडीओ अमित ताम्रकार, बीपीएम कंचन जायसवाल, तोपन सिंह दायमा, रामकुमार सिदार सहित काफी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, मितानिन व अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहे।

### कीटनाशक का सेवन किए अधेड़ की मौत

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** पुत्र से शराब पीने के लिए रुपये नहीं मिलने पर अधेड़ गांव में ही शराब पीने के बाद कीटनाशक का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिला के भटगांव थाना अंतर्गत ग्राम सलका का गुलाब पिता कैलाश 55 वर्ष, शराब पीने का आदी था। 13 अक्टूबर को वह अपने पुत्र के घर गया और शराब पीने के लिए पैसा मांगा। पुत्र जब रुपये नहीं दिया तो गांव में कहीं शराब पिया और कीटनाशक का सेवन करने के बाद पुलिया में लेट गया। गांव के लोगों से इसकी जानकारी मिलने पर स्वजन उसे भैयाथान स्वास्थ्य केन्द्र ले गए यहां से रिफर करने पर सूरजपुर जिला अस्पताल पुन: मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

## शहर के तीन अलग-अलग स्थानों से मोटरसायकल चोरी

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** शहर के तीन अलग-अलग स्थानों से चोरों ने 3 मोटरसायकल पार कर दिया। गांधीनगर थाना क्षेत्र के तुर्रापानी शिवमंदिर के आगे रहने वाली नितु सिदार पति जितेन्द्र सिदार 26 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 23 अक्टूबर को रात 12 से 3 बजे के बीच घर के बाहर स्कूटी क्रमांक सीजी 15 ईई 7425 खड़ी थी, जिसे अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया, सुबह उठे तो स्कूटी नहीं थी। घटना की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई गई है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

दो अलग-अलग घटनाओं में कोतवाली थाना अंतर्गत गांधी स्टेडियम के बाहर, राजा गैस एजेंसी के सामने से शिक्षक किरण मिंज का स्कूटी एक्टीवा क्रमांक सीजी 15 डीएम 5245 चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। घटना दिनांक 23 अक्टूबर को शिक्षक का लड़का स्वर्ण प्रकाश मिंज प्रतिदिन की भांति सुबह 5.30 बजे गांधी स्टेडियम में खेलने गया था। स्टेडियम से सुबह करीब 8.30 बजे बाहर निकला तो स्कूटी खड़ा किए गए स्थान पर नहीं थी। एक अन्य मामले में वाड्रफनगर में पीटीआई शिक्षक के पद पर पदस्थ नवीन कुजूर का याम्हा मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 9868 को रात्रि करीब 8 बजे बौरीपारा में स्थित अंग्रेजी शराब भट्ठी के मेन गेट के पास से चोरी कर लिया। शिक्षक दोपहिया वाहन को खड़ा करके शराब खरीदने अंदर गए थे, उनका बैग मोटरसायकल के हैंडल में लटका था, जिसमें मोबाईल एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज रखा था। कुछ देर बाद वापस लौटे तो बैग सहित मोटरसायकल गायब था। आस-पास तलाश के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने तीनों मामले में पृथक-पृथक केस दर्ज किया है।

### ढाबा के बाहर खड़ी ट्रकों से 680 लीटर डीजल पार

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** लखनपुर थाना अंतर्गत ग्राम सिंगीटाना में ढाबा के पास खड़ी तीन ट्रकों से 680 लीटर डीजल चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है, जिसकी कीमत 64 हजार 600 रुपये है। ट्रक ड्रायवर सोनू प्रसाद यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 23 अक्टूबर को वह ट्रक क्रमांक सीजी 04 क्यूएल 3477 में सामान लोड करके रायपुर से अन्य लोड ट्रक के साथियों के साथ औरंगाबाद जाने के लिए निकला था, सभी ट्रकों में क्लिंकर लोड था। रात्रि होने पर वह थाना लखनपुर क्षेत्र के ग्राम सिंगीटाना में नरेन्द्र ढाबा के पास अपनी-अपनी ट्रक को खड़ा करके खाना बना खाकर अपने-अपने ट्रक में सो रहे थे। 24 अक्टूबर को भोर में करीब 3 बजे अज्ञात चोरों ने डीजल टैंक का ढक्कन तोड़कर ट्रक क्रमांक सीजी 04 क्यूएल 3477 से 300 लीटर डीजल, कीमत 28 हजार 500 रुपये, ट्रक क्रमांक सीजी 15 ईए 8003 से करीब 180 लीटर डीजल, कीमत करीब 17 हजार 100 रुपये एवं ट्रक क्रमांक सीजी 15 ईए 7004 से करीब 200 लीटर, कीमत करीब 19 हजार रुपये चोरी कर लिया। सुबह ट्रक चालकों की नींद खुली तो इन्होंने अपने-अपने ट्रकों के डीजल टैंक का ढक्कन टूटा पाया। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

# ड्राइवर सुरक्षा कानून, शराबबंदी और वेलफेयर बोर्ड का गठन करे सरकार

## छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ ने अनिश्चितकालीन महाबंद, चक्काजाम का किया आगाज

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ के तत्वाधान में ड्राइवर सुरक्षा कानून, शराबबंदी और वेलफेयर बोर्ड का गठन करने की मांग को लेकर 25 अक्टूबर से अनिश्चितकाल के लिए महाबंद चक्काजाम का आगाज कर दिया है। इसके पहले दिन शहर के अंतर्राज्यीय बस अड्डा में करीब 100 की संख्या में एकजुट हुए महासंगठन से संबद्ध ड्राइवरों ने जमकर नारेबाजी की और कहा जब तक छत्तीसगढ़ में शराब बंद नहीं होगा, ड्राइवरों का जीवन असुरक्षित रहेगा। हालांकि ड्राइवरों के महाबंद चक्काजाम का पहले दिन स्थानीय स्तर पर असर देखने को नहीं मिला। यात्री बसें पूर्ववत संचालित हो रही थीं, और यात्री बेरोकटोक आना-जाना कर रहे थे। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पहला दिन होने के कारण यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे देखते हुए ड्राइवरों पर वे किसी प्रकार का दबाव नहीं बना रहे हैं। महाबंद चक्काजाम में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत संचालित वाहनों के चालक भी शामिल रहे।

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ के जिला प्रभारी मो. अशफाक अंसारी ने बताया कि महाबंद चक्काजाम का पहला दिन होने के कारण यात्री बसों का आना-जाना हो रहा है। कई बसों में यात्रियों के रहने के कारण होने वाली परेशानियों को देखते हुए वे फिलहाल नरम रूख अपनाए हुए हैं। छठ महापर्व के कारण बस स्टैंड में यात्रियों की भीड़ भी काफी थी, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ सकता था। इधर महाबंद व मांगों के समर्थन में बैठे चालकों के द्वारा फोन पर निरंतर अपने साथियों से संपर्क करके इन्हें बसों को खड़ी करके अनिश्चितकाल के लिए महाबंद चक्काजाम में शामिल होने प्रेरित किया जा रहा था। इनका कहना है कि छह माह से वे अपनी मांगों को लेकर सरकार को ज्ञापन पर ज्ञापन देते आ रहे हैं कि ड्राइवर आयोग, वेलफेयर बोर्ड का गठन व शराबबंदी का मांग पूरा किया जाए। मांगों को नजरअंदाज करते छह माह बीत गया, प्रदेश, जिला व संभाग स्तर पर महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा प्रशासन तक पहुंचाई गई आवाज को शासन स्तर पर अनसुना किया जा रहा है। 2450 किलोमीटर की यात्रा करके मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री को ज्ञापन भी सौंपा गया था, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुआ। उनके द्वारा पूर्व में ही चेतावनी दी गई थी कि मांगों के प्रति किसी प्रकार का सकारात्मक कदम नहीं उठाने पर स्टेयरिंग छोड़ो आन्दोलन को मूर्तरूप करने की तैयारी शुरू कर देंगे, इसी तारतम्य में हम अपने ड्राइवर भाईयों को समझा रहे हैं, कि वे स्टेयरिंग छोड़कर महाबंद चक्काजाम के उद्घोष को साकार करें। यह किसी का व्यक्तिगत नहीं हक और अधिकार का लड़ाई है। अगर लड़ाई जीतते हैं, तो उनके बच्चे, परिवार का भविष्य सुरक्षित रहेगा। पूरे छत्तीसगढ़ में महाबंद चक्काजाम चालू हो गया है, सरकार उनकी मांगों को नहीं मानी तो उग्र आन्दोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा। इनका दावा है कि छत्तीसगढ़ के बार्डर क्षेत्र पूरी तरह से सील हैं, जिससे आवागमन बंद हो गया है। यात्रियों को आवागमन के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है। सरगुजा जिले में फिलहाल ड्राइवरों को समझाइश दी जा रही है, बात नहीं बनती है तो यहां भी रोड जाम किया जाएगा, किसी भी वाहनों का आना-जाना पूरी तरह से बंद करने वे बाध्य होंगे।

### ड्राइवर भी इज्जत और हक के हकदार

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन का कहना है कि जब तक ड्राइवर सुरक्षा कानून लागू नहीं होगा, तब तक चक्काजाम जारी रहेगा। ड्राइवर सुरक्षा कानून ही ड्राइवर की जान का तोड़ है, वहीं वेलफेयर बोर्ड का गठन होने से उनका परिवार खुशहाल होगा। सड़क पर जान देने वाले ड्राइवर अपने हक की लड़ाई के लिए संघर्ष की राह पर हैं, और अब वे आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। इन्होंने कहा कि सुरक्षित ड्राइवर, सुरक्षित परिवहन की पहचान बने, इसके लिए शासन को जागृत होना पड़ेगा। ड्राइवर भी इज्जत और हक का हकदार है। देश का पहिया चलाने वाले ड्राइवर अपने हक की पूर्ति के लिए वाहनों का चक्का रोकने मजबूर हैं।

## साइबर ठगी से बचने के लिए करें सुरक्षित डिजिटल व्यवहार

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** थाना कोतवाली पुलिस टीम एवं साइबर वालेंटियर द्वारा साइबर जागरूकता के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा पीढ़ी को साइबर अपराध के तरीके, अपराधों पर नियंत्रण एवं बचाव के तरीके बताकर जागरूक किया गया। छात्र-छात्राओं को रुकें, सोचे और कार्रवाई करें जैसे स्लोगन बताकर स्वयं जागरूक रहने एवं अपने स्वजन को जागरूक करने कहा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा युवाओं के बीच साइबर अपराध एवं उनके रोकथाम के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, ऐसे कार्यक्रमों के जरिए युवाओं को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कोतवाली से उप निरीक्षक सम्पत पोटाई ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न रूपों ओटीपी फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फेक लिंक, सोशल मीडिया पर धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग, डिजिटल अरेस्ट, एटीएम बदलकर ठगी के बारे में विस्तार से बताया। किसी भी प्रकार के ऑनलाइन वित्तीय लेन-देन से पूर्व पूर्ण रूप से जांच परख व किसी प्रकार के लालच में आकर दूसरे के खातों में रकम नहीं भेजने प्रेरित किया। साइबर संबंधी किसी भी परेशानी अथवा शिकायत पर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या पोर्टल पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा संबंधी ऐप अभिव्यक्ति ऐप तथा महिला हेल्पलाइन नंबर 181 जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में शिक्षण संस्थान प्रमुख विशाल गुप्ता एवं मुहसिन रज़ा ने विद्यार्थियों को तकनीकी युग में सतर्कता अपनाने और इंटरनेट का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की प्रेरणा दी। इस दौरान थाना कोतवाली से आरक्षक देवेंद्र पाठक, साइबर वालंटियर टीम से अतुल गुप्ता, विक्की गुप्ता एवं अनमोल बारी की सक्रिय उपस्थिति रही, जिन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर जागरूकता से जुड़ी उपयोगी जानकारियां साझा की।

# संभाग स्तरीय महिला नगर सैनिकों का बुनियादी प्रशिक्षण संपन्न, 434 ने ली कर्तव्य की शपथ

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** नगर सेना परिसर में संभाग स्तरीय चयनित महिला नगर सैनिकों के बुनियादी प्रशिक्षण समापन एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता राजेश पाण्डेय, संभागीय सेनानी नगर सेना ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत परेड कमांडर रोशनी तिग्गा के नेतृत्व में आकर्षक परेड के साथ हुई, जिसमें मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। तत्पश्चात सभी नवप्रशिक्षित महिला नगर सैनिकों को कर्तव्य, अनुशासन और सेवा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर कुल 434 महिला नगर सैनिकों को बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इनमें सरगुजा अंबिकापुर की 110, सूरजपुर की 51, कोरिया की 80, जशपुर की 99 और बलरामपुर की 94 महिला सैनिक शामिल रहीं। प्रशिक्षण 34 कार्यदिवसों तक नगर सेना परिसर अंबिकापुर, विज्ञान महाविद्यालय केशवपुर एवं सामुदायिक केन्द्र मुक्तिपारा में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान महिला सैनिकों को फुट ड्रिल, आर्म्स ड्रिल, कानून व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, बलवा नियंत्रण, फायरिंग अभ्यास एवं महिला छात्रावास सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। जिला सूरजपुर के पहाड़गांव फायरिंग रेंज में 15 से 20 अक्टूबर तक रेंज अभ्यास कराया गया, जिसमें सभी महिला सैनिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला सैनिकों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया, पुरस्कृतों में परेड कमांडर महिला सैनिक क्रमांक 150 रोशनी तिग्गा, परेड टू-आई-सी म.सै.क्र. 449 अल्फा, आल राउंड बेस्ट के रूप में म.सै.क्र. 471 हेमवंती (जशपुर), म.सै.क्र. 438 प्रीति सिंह (सूरजपुर), म.सै.क्र. 496 अश्वनी पुरी (बलरामपुर), म.सै.क्र. 169 यशोदा राजवाड़े (कोरिया) तथा म.सै.क्र. 137 लक्ष्मी सिंह अंबिकापुर को सम्मानित किया गया। बेस्ट मार्क्समैन के रूप में चंद्रकांता देवी (जशपुर), वसुम (सूरजपुर), रीतु पुरी (बलरामपुर), शिवानी (कोरिया) और अमीषा रानी धनकी (अंबिकापुर) को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, अंबिकापुर एसडीएम फागेश सिन्हा, रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, आत्मानंद विद्यालय केशवपुर प्राचार्य संतोष साहू, वरिष्ठ जिला सेनानी व्ही.के. लकड़ा, जिला सेनानी अंबिकापुर एस.के. कटुतिया एवं जिला सेनानी बैकुंठपुर संजय गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय गुप्ता उपनिरीक्षक एवं महेश मिश्रा हवलदार कोरिया ने किया। समापन अवसर पर एस.के. कटुतिया, जिला सेनानी ने सभी अतिथियों और प्रशिक्षुओं का आभार व्यक्त किया।

# छठ महापर्व की शुरुआत, घाटों पर तैयारी जोरों पर

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** भगवान सूर्य की आराधना और लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का शुभारंभ शनिवार को नहाय-खाय के साथ श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में हो गया। पूरे क्षेत्र में भक्ति, पवित्रता और अनुशासन का अद्भुत संगम दिखाई दे रहा है। रविवार को खरना के साथ छठ व्रत का दूसरा चरण शुरू होगा, जिसके बाद व्रती 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास रखकर सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य और मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का पारण करेंगे। कोयलांचल समेत आसपास के इलाकों में छठ घाटों की साज-सज्जा जोरों पर है। नदी-तालाबों के किनारे बांस और केले के पत्तों से बने खूबसूरत प्राकृतिक घाट सजाए जा रहे हैं। बाजारों में पूजन सामग्री, ठेकुआ, प्रसाद के सामान, फल, बांस की टोकरी और सुपली की खरीदारी से रौनक लौट आई है।

महिलाओं द्वारा गली-मोहल्लों की सफाई और चौके-चूल्हे की पवित्र तैयारी से पूरा वातावरण भक्ति में डूब गया है। शनिवार को व्रतियों ने नाखून काटकर, बाल धोकर शुद्धता के साथ स्नान किया और पृथक चौके में कद्दू-भात का भोजन बनाया। परंपरा अनुसार परिवार के सभी सदस्य इस भोजन को प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं। रविवार को व्रती खरना के दिन गुड़-चावल की खीर और रोटी बनाकर पूजा करेंगे, इसके बाद ही निर्जला उपवास शुरू होता है, जो अगले दिन सूर्य अर्घ्य तक चलता है। जिला प्रशासन ने छठ पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए सभी घाटों पर सुरक्षा, प्रकाश और सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। तालाबों की सफाई, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन सहायता दल की तैनाती की जा रही है। नगर पंचायत कर्मी घाटों की सफाई में जुटे हैं। गायत्री मंदिर प्रांगण स्थित छठ घाट पर शनिवार को नगर पंचायत बिश्रामपुर उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, इंजी. विनय सिंह, राजकिशोर चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहे। उन्होंने घाट की व्यवस्था का निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। हर ओर छठ गीतों की मधुर गूंज और सूर्य उपासना का उल्लास वातावरण को पवित्र बना रहा है।

## मधुमक्खियों के हमले से भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक की मौत

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** ग्राम पंचायत गोविंदपुर कुमदा कॉलरी में दवा दुकान के साथ क्लिनिक का संचालन करने वाले भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक की आज दोपहर मधुमक्खियों के हमले से मौत हो गई है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत गोविंदपुर कुमदा कॉलरी निवासी 48 वर्षीय सुशांत विश्वास पिता प्रिय नाथ विश्वास पर शनिवार की दोपहर मधुमक्खियों ने अचानक हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि सुशांत विश्वास शनिवार को दोपहर में कुमदा कॉलोनी गोविंदपुर से लगे करमपुर बस्ती के माझापारा में मरीज को इंजेक्शन लगाने गए थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया।इसी हाल में वे किसी तरह से वहां से भागकर सीधे अपने क्लीनिक पहुंचे और वे वहां इसकी दवाई खोज रहे थे। दवाई नहीं मिलने के बाद वे किसी परिचित का सहयोग लेकर सीधे बिश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, यहां प्राथमिक उपचार के बाद उनका पल्स लगातार गिर रहा

था, जिस पर चिकित्सकों ने उन्हें अंबिकापुर रेफर कर दिया। अंबिकापुर में लाइफ लाइन अस्पताल में चिकित्सक ने उपचार की प्रक्रिया शुरू की ही थी कि उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मधुमक्खियों ने उनके पेट, सिर सहित मसूड़े में कई जगहों पर काट लिया था।चिकित्सकों के मुताबिक मसूढे का जहर तेजी से शरीर के अन्य हिस्सों में फैला और दो से ढाई घंटे बाद दोपहर तीन बजे उनकी मौत हो गई। डॉक्टरी पेशे से अनुभव के आधार पर लंबे समय से जुड़े सुशांत विश्वास का ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी पकड़ थी। प्रैक्टिश के साथ कुमदा कालोनी में ही जय महामाया दवा दुकान का भी संचालन वे पिछले तीस पैंतीस वर्षों से कर रहे थे। उनका एक बीस वर्ष का पुत्र है, जो राजस्थान में पढ़ाई कर रहा है। पत्नी संपा विश्वास गोविंदपुर पंचायत की उपसरपंच हैं। सुशांत विश्वास मूलत: पश्चिम बंगाल के कोलकाता के निवासी थे। उनके शव को फिलहाल बिश्रामपुर अस्पताल के मर्चुरी रखवाया गया है। कल पुत्र के राजस्थान से लौटने के बाद उनका स्थानीय मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा।घटना से गोविंदपुर कुमदा कालोनी में शोक का माहौल निर्मित हो गया है।

## प्रधानमंत्री के विरूद्ध सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर सहायक शिक्षक निलंबित

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** विकासखंड बलरामपुर के शासकीय प्राथमिक शाला मक्याठी के सहायक शिक्षक श्री ईश्वरी प्रसाद टंडन के द्वारा प्रधानमंत्री, भारत सरकार के विरूद्ध उनके नाम से अपने फेसबुक पेज पर अपशब्दों का प्रयोग करते हुए अशोभनीय टीप्पणी की गई। जो कि छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा जारी अधिकारी-कर्मचारी के सोशल मीडिया के उपयोग संबंधी मार्गदर्शी निर्देश का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है।

श्री ईश्वरी प्रसाद टंडन (सहायक शिक्षक एलबी) का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम-1965 के नियम-03 का स्पष्ट उल्लंघन है। शासकीय कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत् जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम यादव द्वारा श्री ईश्वरी प्रसाद टंडन को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री ईश्वरी प्रसाद टंडन का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कुसमी नियत किया गया है। निलंबन अवधि में श्री टंडन को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

## कन्वर्जेस समिति की बैठक 28 अक्टूबर को

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले के अन्तर्गत 01 ग्राम का चयन किया गया है। चयनित नवीन ग्राम का कार्य योजना तैयार किया गया है। इस हेतु जिला स्तर पर गठित कन्वर्जेस समिति से अनुमोदन किया जाना है। जिस हेतु समिति की बैठक 28 अक्टूबर 2025 को प्रात: 11 बजे से संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में नियत किया गया है। उन्होंने समिति के सदस्यों से उक्त बैठक उपस्थित होने का आग्रह किया।

## 29 अक्टूबर को टेबल टॉप एवं 30 अक्टूबर को मॉक एक्सरसाइज आयोजित

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य एवं जिलों में बाढ़ आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने एवं संभावित बाढ़ जैसी परिस्थितियों से निपटने सीएसएसआर बाढ़ बचाव परिदृश्य पर 29 अक्टूबर 2025 को टेबल टॉप (बैठक) तथा 30 अक्टूबर 2025 को मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया जाएगा।

जिले में कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल व जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी श्री शिवकुमार कटुतिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

## घरघोड़ा दोहरे हत्याकांड में दो संदेही हिरासत में, कड़ाई से पूछताछ जारी

**रायगढ़, छ.ग. फ्रंटलाइन।** थाना घरघोड़ा क्षेत्र के ग्राम कपाटडेरा भेण्ड्रा में हुए दोहरे हत्याकांड की गुत्थी छह घंटे के भीतर पुलिस ने सुलझाते हुए दो संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। सुबह ग्राम कपाटडेरा भेण्ड्रा निवासी गुरबार सिंह राठिया (43 वर्ष) और उनकी पत्नी मनिता राठिया (30 वर्ष) का शव उनके घर के बाहर देखा गया जिसकी सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर कार्रवाई के लिए घटनास्थल पहुंची । वहीं सूचना पर पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम, एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्दांत तिवारी, डीएसपी साइबर सेल अनिल विश्वकर्मा, एफएसएल टीम, साइबर सेल एवं डॉग स्क्वाड भी मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का होने पर पुलिस ने मृतकों के परिजनों, आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की गई, जिसमें सामने आया कि पुराने विवाद और पैसों के लेन-देन का आपसी विवाद को लेकर मनमुटाव चल रहा था इसी आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर थाना तलब किया है और उनसे विस्तृत पूछताछ की जा रही है। मामले में हत्या का अपराध कायम कर विवेचना की जा रही है, अग्रिम जांच पर घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी पृथक से जारी की जाएगी।

## एक माह से बंद बैजनपाठ का बीएसएनएल टावर, तकनीकी खराबी या विभागीय उदासीनता

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**चांदनी बिहारपुर।** क्षेत्र के खोहीर आश्रित ग्राम बैजनपाठ में स्थापित बीएसएनएल मोबाइल टावर पिछले एक महीने से बंद पड़ा हुआ है। टावर बंद होने से गांव सहित आसपास के कई इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवा पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया है कि बैजनपाठ में बीएसएनएल का यह टावर वर्ष 2024 में बनाया गया था, जो 2025 में चालू किया गया। शुरू में कुछ महीनों तक नेटवर्क सुचारु रूप से चलता रहा, लेकिन अब यह टावर पिछले एक महीने से पूरी तरह बंद पड़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि टावर बंद होने से बैंकिंग, ऑनलाइन पढ़ाई, शासकीय योजनाओं की जानकारी और जरूरी फोन संपर्क सभी बाधित हो गए हैं। मोबाइल नेटवर्क नहीं मिलने से ग्रामीण अपने परिजनों से बात तक नहीं कर पा रहे हैं।

स्थानीय युवा बताते हैं कि जब

### संचार सेवा ठप, ग्रामीणों में नाराज़गी

यह टावर चालू हुआ था तो गांव में खुशी का माहौल था। लोगों ने बीएसएनएल सिम खरीदकर सेवा शुरू की, लेकिन अब टावर बंद होने से पुन: क्षेत्र के लोगो को दिक्कते हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि विभागीय अधिकारियों को बार-बार सूचना देने के बावजूद अब तक कोई सुधार कार्य नहीं हुआ। कुछ ग्रामीणों ने आशंका जताई कि टावर की पावर सप्लाई या उपकरणों में तकनीकी खराबी आई है, लेकिन विभाग की उदासीनता के चलते मरम्मत

कार्य नहीं हो पा रहा है।

### डिजिटल इंडिया के दावे पर सवाल

सरकार जहाँ डिजिटल इंडिया और गांव-गांव इंटरनेट का दावा करती है, वहीं बैजनपाठ जैसे ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क ठप रहना उन दावों पर सवाल खड़ा करता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या से छात्रों की पढ़ाई, किसानों की योजना संबंधी जानकारी और आपात संपर्क सभी प्रभावित हो रहे हैं। गांव के लोगों ने विभाग से तत्काल तकनीकी टीम भेजकर टावर को फिर से चालू करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सेवा बहाल नहीं की गई तो वे जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। गांव के नागरिक ने कहा हमने बीएसएनएल का सिम इसलिए लिया था कि अब हमारे गांव में नेटवर्क रहेगा, लेकिन यह तो कुछ दिन चलकर फिर बंद हो गया। अब न कॉल हो रहा है, न इंटरनेट चल रहा है।

## रेत माफियाओं का बोलबाला, प्रशासन की चुप्पी

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**बिश्रामपुर।** बारिश थमते ही रेत माफियाओं ने नदियों का रुख कर लिया है। बरसात के बाद नदियों का जलस्तर गिरते ही अवैध खनन के कारोबारियों को मानो नया सोने की खान मिल गया हो। रात की काली चादर के नीचे ट्रैक्टर, ट्रक और हाईवा की कतारें नदियों की ओर दौड़ पड़ती हैं। नदियों का सीना छलनी कर रेत की लूट जारी है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत राजापुर, हर्राटिकरा, रुनियाडीह, कुरुवां और आसपास की नदियों में रेत माफिया युद्धस्तर पर खनन व परिवहन कार्य में जुटे हैं। नदी की तलहटी में जगह-जगह गहरी खाइयां बन रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह सब प्रशासन की आंखों के सामने हो रहा है। शिकायतें बार-बार दी जा रही हैं, पर हर बार अधिकारियों का जवाब एक ही होता है कि टीम भेजी जाएगी,

लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही रेत माफिया अपने वाहन और मशीनें गायब कर देते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ अधिकारी इस गोरखधंधे में मिलीभगत कर बैठे हैं, तभी तो खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ज्ञात हो कि इस अवैध कारोबार से सरकार को हर महीने में लाखों नहीं बल्कि करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं दूसरी ओर नदियों का प्राकृतिक स्वरूप नष्ट हो रहा है। नदियों के किनारे बसे गांवों में मिट्टी कटाव बढ़ रहा है।यदि समय रहते इस दोहन पर रोक नहीं लगाई गई, तो आने वाले दिनों में इन इलाकों में जल संकट गहराना तय है। ग्रामीण भी अब प्रशासन की निष्क्रियता से नाराज हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में रेत माफिया इतने प्रभावशाली हो चुके हैं कि कोई भी उनके खिलाफ बोलने से डरता है। सूत्र बताते हैं कि विभागीय स्तर पर कई बार छापेमारी की बातें हुईं, लेकिन नतीजा सिफर रहा। हर बार जांच की खबर पहले से ही रेत माफियाओं तक पहुंच जाती है।ग्रामीणों ने शासन से गुहार लगाई है कि क्षेत्र में विशेष टीम गठित कर सघन जांच की जाए, और जिन अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत साबित हो, उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल ने बताया कि मैं तत्काल खनिज विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर अवैध रेत खनन व परिवहन कार्य पर अंकुश लगवाने पहल करती हूं।

## सोनपुर सु में हुआ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**दतिमा मोड़।** करंजी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनपुर सु स्कूल मैदान में अशोक राजवाडे व विनोद राजा स्टार नाईट लाली लाली लुगरा हर तोर टीम के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुति दी गई। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप से सरपंच छोटे लाल पैकरा सहित उपसरपंच मुनेश्वर पैकरा, बजरंग पैकरा, रामशरण पैकरा, रामकृपाल, अनूप साय, हुकुम साय गोविंद्रा, विकास यादव, अभिलाष पैकरा, सूरत लाल, हुक साय, कवल साय, जयप्रकाश यादव व अन्य पूजा समिति के पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा भक्ति गीत, नागपुरी, हिंदी, छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी गीत पेश किया। इस दौरान उपस्थित दर्शकों ने गायिका देवती सारथी के द्वारा छत्तीसगढ़ी संगीतो का तालियों की गडग़ड़ाहट से सम्मान किया। कार्यक्रम में आस-पास से काफी संख्या दर्शक जुटे थे। कार्यक्रम में अंत मे सरपंच ने सभी को बधाई दी और कहा कि माता रानी सभी को सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें। कार्यक्रम में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर चौकी के पुलिस बल उपस्थित रहे।

## *सड़क पर गिरा पेड़, पुलिस ने हटवाकर कराया आवागमन बहाल*

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**दतिमा मोड़।** दतिमा से भटगांव मार्ग में प्रतीक्षालय के समीप फल के ठेले पर अचानक पेड गिर गया। जिससे राहगीरों का आवागमन बाधित हो गया था। घटना में फल दूकान के संचालक बाल-बाल बच गया।

पेड़ का एक हिस्सा मुख्य मार्ग के गिर जाने के कारण आवागमन बाधित की स्थिती निर्मित हो गई थी, जिसकी सूचना पर तत्काल मौके पर पहुचे करंजी चौकी प्रभारी संतोष सिंह, आरक्षक रमेश कसेरा, मुनेश्वर राजवाडे, रूपेश रॉय ने गिरे पेड़ को हटवाकर आवागमन बहाल कराया।

बता दे कि हादसे के वक्त दुकानदार अपनी दुकान के के बाहर बैठा हुआ था संयोग से वह बाल-बाल बच गया किसी प्रकार की बड़ी घटना नही हुई। पेड़ गिरने से गुमटी भी क्षतिग्रस्त गया। पुलिस के सहयोग से स्थानीय लोगों ने गिरे पेड़ के छोटी-छोटी टहनियां काटकर रास्ता खोल दिया है, जिससे छोटे वाहनों का आवागमन तो संभव हो पाया। इस विषय पर चौकी प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि घटना में किसी भी तरह का जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है दुकानदार के गुमटी और एक हिस्सा सड़क पर गिरे पेड़ को हटवाकर आवागमन बहाल करा दिया गया था।

# प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना महिलाओं के लिए बन रही संबल

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम भाला की श्रीमती सुरजी कुमारी ने प्रधानमंत्री मातृत्व

### योजना से मातृत्व काल बन रहा आसान और सुरक्षित

वंदना योजना से मिले सहयोग को अपने जीवन का आधार बताते हुए कहा कि इसने मातृत्व काल में उन्हें आर्थिक और मानसिक मजबूती दी।

कृषि पर आधारित परिवार से जुड़ी श्रीमती सुरजी कुमारी गृहिणी होने के कारण परिवार की आमदनी पर निर्भर थीं। आर्थिक तंगी के चलते अपनी सेहत और पोषण पर ध्यान देना

मुश्किल था। मातृत्व काल में जब उनका पंजीयन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन बहनों की मदद से मातृत्व वंदना योजना में हुआ तो उन्हें बड़ी राहत मिली। योजना अंतर्गत प्रथम संतान पर 5000 रुपये और द्वितीय संतान पर 6000 रुपये की राशि दी जाती है। श्रीमती सुरजी ने बताया कि पहली किश्त का उपयोग उन्होंने संतुलित आहार व चिकित्सीय जांच में किया जबकि दूसरी किश्त से प्रसव पूर्व की जरूरतें पूरी की। योजना ने न केवल आर्थिक सहयोग दिया बल्कि उन्हें मानसिक सुकून भी प्रदान किया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। इस योजना की सफलता में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मितानिनों की सक्रिय भूमिका अहम है। जिले की सभी पात्र महिलाओं से अपील है कि वे इस योजना का लाभ अवश्य लें ताकि मातृत्व काल सुरक्षित और स्वस्थ हो सके।

## साय सरकार की योजनाओं से रामफल बने आत्मनिर्भर किसान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।साय सरकार की ग्रामीण विकास उन्मुख नीतियां आज गांवों में आम जनजीवन को नया आयाम दे रही हैं। इन्हीं योजनाओं के माध्यम से कवर्धा जिले के पंडरिया विकासखंड की ग्राम पंचायत चारभाठाखुर्द के गौपालक रामफल की जिंदगी भी बदल गई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के तहत निर्मित पशुशेड ने उन्हें न केवल स्थायी रोजगार दिया, बल्कि पशुधन की सुरक्षा और आय वृद्धि का मजबूत जरिया भी बन गया। साय सरकार द्वारा ग्रामीण आजीविका को प्रोत्साहित करते हुए मनरेगा जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से आज कई परिवार आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

# पंडवानी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को विश्व में मिली पहचान-मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पंडवानी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को पूरी दुनिया में पहचान मिली है।हमारे पंडवानी कलाकारों ने न्यूयॉर्क, पेरिस और लंदन तक महाभारत की कथाओं पर आधारित प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध किया है। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से न केवल छत्तीसगढ़ की परंपरा को जीवित रखा है, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा को वैश्विक मंचों तक पहुँचाया है। पंडवानी आज हमारी लोक चेतना, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले के ग्राम मेड़ेसरा में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग रायपुर के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, साजा विधायक ईश्वर साहू, राज्य तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू एवं जागेश्वर साहू, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना एवं डॉ. दयाराम साहू, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे तथा दुर्ग नगर निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज मुझे पंडवानी के पुरोधा स्वर्गीय झाडूराम देवांगन जी की स्मृति भी हो रही है। जब वे हाथ में तंबूरा लेकर प्रस्तुति देते थे, तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

## सांसद चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक संपन्न

**योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश**

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई तथा उनके प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर विलास भोसकर, डीएफओ अभिषेक जोगावत, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद महाराज ने बैठक में कहा कि गरीबों एवं जरूरतमंदों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुँचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

# आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत विधानसभा स्तरीय सम्मेलन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। पत्थलगांव शहर के अग्रसेन भवन में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें वक्ताओं ने स्वदेशी अपनाने हेतु समस्त जन समूह को आह्वान किया।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम यहां स्वदेशी संकल्प के लिए एकत्रित हुए है यह संकल्प एक नारा नहीं बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नीव है यह एक आह्वान है कि हम अपने देश में बने उत्पादों को अपनाएं, अपनी संस्कृति को गले लगाए और अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करें। हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी हमारा मंत्र है, हमारा लक्ष्य है और हमारी शक्ति है। जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय ने कहा कि देश में स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए हमें एक बार फिर पंच प्रण लेना होगा यह पंच परिवर्तन समाज को एक नई दिशा देंगे जिनका हमें सामूहिक रूप से पूर्ण महत्व देते हुए उसे विक्रय भी करना चाहिए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि आज हमें सभी से स्वदेशी के संकल्प पर चर्चा का सौभाग्य मिला है स्वदेशी केवल आर्थिक क्षेत्र में ही नहीं अपितु हमारी संस्कृति और आत्मा का हिस्सा है हम विदेशी वस्तुओं के पीछे भागने की बजाए अपनी जड़ों को पहचान रहे हैं और स्वदेशी अपनाकर भारत को मजबूत बना रहे हैं आज जब भारत आत्मनिर्भरता की राह में चल रहा है तब हम सभी को समझना होगा कि देश का भविष्य मेक इन इंडिया और मेड बाय इंडियंस में ही है हम आप सभी आज आह्वान करते हैं कि लोकल फॉर वोकल बने। स्वदेशी अपनाने के लिए पालन करने की आवश्यकता भी है हम सभी को कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध और नागरिक कर्तव्य को ध्यान में रखकर स्वदेशी में आगे बढ़ना होगा हमें अपने-अपने प्रतिष्ठानों में बोर्ड लगाना चाहिए कि गर्व से कहो यह स्वदेशी है और हमारे भारत देश में बनी हुई चीजों को ही अधिक

# सूयोर्पासना से विज्ञान तक, छठ महापर्व में आस्था और ऊर्जा का संगम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जब अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने लाखों श्रद्धालु जल में खड़े होते हैं, तो वह केवल धर्म का दृश्य नहीं होता। वह प्रकृति के प्रति मानव के कृतज्ञ भाव की अभिव्यक्ति होती है। छठ महापर्व वह क्षण है जब आस्था और विज्ञान, परंपरा और तर्क, सूर्य और जीवन एक ही रेखा में मिल जाते हैं। यह पर्व भारतीय संस्कृति का वह उज्ज्वल अध्याय है, जहाँ अनुशासन, पर्यावरण और ऊर्जा तीनों की साधना एक साथ होती है।

### बिहार की परंपरा, भारत की पहचान

छठ महापर्व मूलतः बिहार की धरती से उपजा, पर आज यह पूरे देश की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन चुका है। उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक लोग इस त्यौहार को श्रद्धा, अनुशासन और सामूहिक भाव से मनाते हैं। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अरपा नदी के तट पर बने विशाल छठ घाट ने इस पर्व की विराटता को नया आयाम दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इसे राजकीय अवकाश घोषित करना यह दर्शाता है कि छठ अब प्रांतीय सीमाओं से आगे बढ़कर लोक-संस्कृति और सामाजिक समरसता का पर्व बन चुका है।

### महाभारतकालीन जुड़ाव-कर्ण की साधना

छठ की जड़ें प्राचीन काल में गहराई तक जाती हैं। महाभारत में वर्णित सूर्यपुत्र कर्ण को सूर्य आराधना का महान उपासक माना जाता है। कहा जाता है कि वे प्रतिदिन उगते और अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देकर अपनी शक्ति और संतुलन प्राप्त करते थे। यही परंपरा लोकजीवन में समाहित होकर छठ के रूप में विकसित हुई। इस दृष्टि से छठ केवल धार्मिक व्रत नहीं, बल्कि कर्म, तप और समर्पण का प्रतीक है, जो हमें इतिहास, अनुशासन और श्रद्धा से जोड़ता है।

### सूयोर्पासना का वैज्ञानिक पक्ष

छठ पर्व में निहित विज्ञान उतना ही महत्वपूर्ण है जितनी इसकी आस्था। भोर और संध्या के समय सूर्य की किरणें पराबैंगनी विकिरणों से मुक्त होती हैं, जिससे शरीर को लाभकारी विटामिन-ऊ प्राप्त होता है। जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देने से प्रकाश का परावर्तन शरीर और मन पर संतुलित प्रभाव डालता है, जिससे मानसिक ताजगी और एकाग्रता बढ़ती है। उपवास और सात्विक आहार शरीर की जैविक लय को संतुलित करते हैं तथा मानसिक स्थिरता को प्रोत्साहित करते हैं। इस प्रकार छठ महापर्व एक वैज्ञानिक अनुशासन और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम है, जो मनुष्य को शरीर, मन और प्रकृति के बीच संतुलन सिखाता है।

## संक्षेप

### डलौना में कैशियर के बंद मकान का ताला टूटा, लाखों का सामान चोरी

संवाददाता

पीजीआई थाना क्षेत्र के डलौना स्थित काश्वी ग्रीन कॉलोनी में चोरों ने एक कैशियर के बंद घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये का सामान पार कर दिया। पीड़ित अंकुर मौर्य ने कल्ली पुलिस चौकी में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। अंकुर मौर्य ने बताया कि वह बैंक में कैशियर हैं और बीते गुरुवार को परिवार सहित ससुराल गए थे। शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे लौटने पर देखा कि घर के ताले टूटे हैं और सारा सामान बिखरा पड़ा है। चोर चांदी के सिक्के, कलश, प्लेट, सोलर पैनल, इन्वर्टर, पीतल की मूर्ति, बर्तन, साइकिल और अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

### भाजपा सांसद का आरोप, बांग्लादेशियों को लखनऊ नगर निगम ने दी मान्यता, पुलिस भी शांत

संवाददाता

लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी से राज्यसभा सदस्य और पूर्व डीजीपी बृजलाल ने राजधानी में कथित बांग्लादेशियों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए पुलिस के साथ ही नगर निगम को भी घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम ने इन कथित बांग्लादेशियों को रोजगार देकर संरक्षण दे रखा है तो लखनऊ पुलिस को भी कोई चिंता नहीं है। दरअसल नगर निगम में भाजपा की महापौर और अधिकांश पार्षद भी भाजपा के हैं तो महापौर सुषमा खर्कवाल ने इसका जवाब देते हुए कहा कि नगर निगम सीधे तौर पर नहीं, बल्कि सफाई कार्य देख रही एजेंसियां ही आधार कार्ड व अन्य साक्ष्य का परीक्षण कर उनसे काम लेती हैं। उन्होंने असोम का बता कर रह रहे लोगों की जांच कराकर वापस भेजने की मांग करते हुए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा था। बृजलाल ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट कर कहा था कि वह गोमतीनगर विस्तार में जब सुबह सैर करने निकलते हैं तो उन्हें बांग्लादेशी सफाई करते मिलते है।

# 'गुरु चरण यात्रा' से सियासी समीकरण साधेगी भाजपा

## यूपी के 16 जिलों से गुजरेगी यह यात्रा; 30 को पहुंचेगी वाराणसी

संवाददाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। नई दिल्ली से गुरुवार 23 अक्टूबर से शुरू हुई 'गुरु चरण यात्रा-पवित्र जोड़ा साहिब' शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश कर गई। पहले दिन मथुरा से आगरा यह यात्रा पहुंची। सिखों के 10वें गुरु गोविंद सिंह और माता साहिब कौर का पवित्र जोड़ा साहिब सिख समुदाय के लिए अत्यंत श्रद्धा का प्रतीक है। यह यात्रा प्रदेश के 16 जिलों मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, कासगंज, एटा, बदायूं, बरेली, शाहजहांपुर, लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, फतेहपुर, कानपुर, प्रयागराज व बनारस से होकर गुजरेगी। इस यात्रा के जरिए भाजपा सियासी समीकरण भी साधेगी। यूं तो यात्रा का उद्देश्य गुरु परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार के साथ-साथ सामाजिक समरसता का संदेश देना बताया गया है। हालांकि सियासी हलकों में इसे भाजपा का "साफ्ट हिंदुत्व' एजेंडा बताते हुए 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। यही कारण है कि भाजपा पर्दे के पीछे इस यात्रा को सफल बनाने में जुटी हुई है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री इस यात्रा के संयोजक बनाए गए हैं। 'गुरु चरण यात्रा' न केवल धार्मिक, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी अहम मानी जा रही है।

यह यात्रा शनिवार को आगरा से टूंडला, एटा, कासगंज, बदायूं होते हुए बरेली पहुंचेगी। इसके बाद 26 अक्टूबर को बरेली से पीलीभीत, पूरनपुर खुटार, भीरा होते हुए लखीमपुर खीरी जिले में पहुंचेगी। 27 को लखीमपुर से सीतापुर होते हुए लखनऊ पहुंचेगी। 28 अक्टूबर को उन्नाव होते हुए कानपुर पहुंचेगी। 29 को कानपुर से फतेहपुर, खागा होते हुए प्रयागराज यात्रा पहुंचेगी। 30 को यह यात्रा प्रयागराज से हंडिया, औराई होते हुए वाराणसी पहुंचेगी। यहां से यात्रा सासाराम बिहार निकल जाएगी। जहां भी यात्रा गुजरेगी वहां धार्मिक सभाएं और संत संवाद कार्यक्रम भी होंगे। पार्टी ने यात्रा को भव्य स्वरूप देने के लिए हर जिले में रूट, मीडिया, आवास और भोजन प्रमुखों की टीम बनाई है। करीब 75 बसों के बेड़े में 150 साधु-संत और कार्यकर्ता इस यात्रा का हिस्सा हैं।

## अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज, रहीमाबाद में आबकारी और पुलिस की संयुक्त दबिश

संवाददाता

अवैध शराब लहन के साथ आबकारी टीम

लखनऊ। अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए लखनऊ जोन में आबकारी विभाग ने शुक्रवार को एक और सख्त कदम उठाया। आबकारी आयुक्त के आदेश और संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन तथा उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार के निर्देशन में चल रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत, रहीमाबाद क्षेत्र में संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया।

आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने औलिया खेड़ा सहित आसपास के संदिग्ध गांवों और बगीचों में दबिश देकर अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसा। अभियान के दौरान टीम ने मौके से करीब 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की, जबकि करीब 70 किलोग्राम लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। मौके पर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। इस कार्रवाई में आबकारी विभाग से अखिलेश कुमार (आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2) व अभिषेक सिंह (आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4) अपने-अपने स्टाफ के साथ मौजूद रहे, जबकि पुलिस टीम का नेतृत्व उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह, संध्या पटेल और अनिरुद्ध मिश्रा ने किया। संयुक्त टीम द्वारा की गई इस प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबारियों में हड़कंप मचा है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि जनपद को अवैध शराब के जाल से मुक्त कराया जा सके।

## 'आयोग तय करे स्मार्ट प्रीपेड मीटर की वास्तविक दर'

**उपभोक्ता परिषद कीमत 6016 रुपये लिए जाने पर खड़े किए सवाल**

संवाददाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने पावर कारपोरेशन द्वारा नया कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से स्मार्ट प्रीपेड मीटर की कीमत 6016 रुपये लिए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। कहा है कि विद्युत नियामक आयोग ने 17 अक्टूबर को स्पष्ट कर दिया था कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की दर आयोग से निर्धारित नहीं है, इसके बावजूद उसी दर से उपभोक्ताओं से वसूली की जा रही है। मांग की है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की वास्तविक दर आयोग निर्धारित करे।

परिषद ने यह भी मांग की है कि नियामक आयोग इस प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराए। उपभोक्ताओं से मीटर की कीमत के रूप में लिए गए अधिक धनराशि वापस कराई जाए। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया है कि नियामक आयोग ने स्पष्ट कहा है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की दर 6016 रुपये उसके द्वारा निर्धारित नहीं की गई है। वर्ष 2019 में कास्ट डाटा बुक में सिंगल फेज प्रीपेड मीटर की दर 6016 रुपये तय की गई थी, लेकिन जनवरी 2024 तक यह दर घटकर 3510 रुपये हो गई। श्री फेज मीटर की दर वर्ष 2019 में 11341 रुपये थी जो 2023 में घटकर 6059 हो गई। यह जानकारी आयोग को नहीं दी गई। उन्होंने सवाल उठाया है कि जब अन्य राज्यों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर की दरें कम हैं तो उत्तर प्रदेश में दरें इतनी अधिक क्यों हैं। महाराष्ट्र में सिंगल फेस मीटर की कीमत 2610 रुपये, राजस्थान में 2500 रुपये तथा कर्नाटक में (जीएसटी सहित) 4998 रुपये है। मांग की है कि पावर कारपोरेशन स्मार्ट प्रीपेड मीटर की खरीद के आर्डर को सार्वजनिक कराए। सच्चाई सामने आ जाएगी। दावा किया है कि मीटर निमार्ता कंपनियों से महज 2350 से 2500 रुपये में मीटर खरीदे जा रहे हैं, जबकि उपभोक्ताओं से 6016 लिए जा रहे हैं।

## अस्पताल का सीएमओ ने किया निरीक्षण, स्टाफ को लगाई फटकार

संवाददाता

लखनऊ। शुक्रवार को सीएमओ के औचक निरीक्षण से मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और महिला अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने दोनों अस्पतालों का गहन निरीक्षण कर साफ-सफाई, दवा वितरण व्यवस्था और चिकित्सकों की उपस्थिति की जांच की।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ एन.बी सिंह ने हाजिरी रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर और मरीजों के रिकॉर्ड देखे। अस्पताल परिसर में फैली गंदगी और अव्यवस्था पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और जिम्मेदार कर्मचारियों को मौके पर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अस्पताल में गंदगी और लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएमओ ने दवा स्टोर, डिलीवरी प्वाइंट और ओपीडी कक्षों की स्थिति की भी जांच की। उन्होंने कहा कि 'मरीजों को स्वच्छ वातावरण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना विभाग की पहली प्राथमिकता है। यदि किसी स्वास्थ्यकर्मी द्वारा बाहर की दवा लिखने की शिकायत मिली तो कठोर कार्यवाही की जाएगी।'

मरीजों से जानकारी करते सीएमओ

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने अस्पताल परिसर तक पहुंचने वाली सड़क के संकीर्ण होने की समस्या का भी संज्ञान लिया। उन्होंने बताया कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य शीघ्र शुरू कराया जाएगा, जिससे मरीजों और आम लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो।

सीएमओ ने सीएचसी अधीक्षक अशोक कुमार सहित स्टाफ को निर्देशित किया कि अस्पताल में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और मरीजों के प्रति संवेदनशील व शालीन व्यवहार अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य केवल इलाज देना नहीं, बल्कि मरीजों के साथ सम्मानजनक व्यवहार और स्वच्छ माहौल उपलब्ध कराना है।

## कार के पास पटाखे फोड़ने से मना किया तो, महिला और उसके पति को पीटकर किया लहूलुहान, मुकदमा दर्ज

**पीजीआई कोतवाली क्षेत्र का मामला,**

संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर 6बी में बीते बुधवार एक मेडिकल स्टोर दवा खरीदने गए दंपत्ति ने कार खड़ी की, और दवा खरीदने चला गया, महिला कार में बैठी थी, इसी समय दो युवक आए और कार के पास ही पटाखे फोड़ने लगे ,कार में बैठी महिला ने कार से दूर जलाने को कहा तो आरोपी युवक अभद्रता करने लगे, उसके पति ने विरोध किया तो मारपीट कर लहूलुहान कर दिया, पीड़ित दंपति के पिता की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।जितेन्द्र सिंह निवासी सेक्टर 6बी/413 वृन्दावन योजना, राय बरेली रोड लखनऊ में रहते हैं। पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते बुधवार को शाम 7: 15 पर इनकी बेटी व दामाद यादव मार्केट सेक्टर 6बी वृन्दावन योजना स्थित शुक्ला मेडिकल स्टोर पर दवा लेने गए थे। बेटी कार में बैठी थी, उतने में ही प्रिंश यादव व बउवा यादव दोनों ही कार के पास पटाके दगाने लगे बेटी ने मना किया कि पटाखा दूर जाकर दगाओ लेकिन दोनों नहीं माने, और मना करने पर गाली गलौज करने लगे। प्रिंश यादव व बउवा यादव दोनों कार में बैठी बेटी को मारने लगे, तो उनके दामाद बचाने आये, तो आरोपियों ने उनको भी मारा, जिसमे उनके दाये हाँथ की उंगली में फैक्चर हो गया, और शरीर में काफी चोट आई। कहने लगे की भाग जाओ नहीं तो एक ही हथगोले में चिथड़ा हो जाओगे। इस तरह दबंगई करते हुए और गाली गलौज करते रहे। लोगों का कहना था कि आरोपियों के घर में काफी संख्या में लेबर रहते हैं।जो कि प्रतिदिन दुकान के सामने शराब पीते हैं, और व जुआ खेलते है। पीजीआई पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी हैं।

## सम्पादकीय

# एक बार फिर बेनकाब हो गया पाक की झूठ

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल ही में सैन्य संघर्ष देखने को मिला था। इसके बाद पाकिस्तान ने बड़ी-बड़ी डींगें हांकते हुए ऐलान किया कि उसने टीटीपी की कमर तोड़ दी है। संघर्ष विराम से पहले ही टीटीपी की चूलें हिला दी गई थी। आपरेशन सिंदूर के बाद भी पाकिस्तान ने ऐसे ही दावे किए थे। अमेरिका के सामने युद्ध विराम के लिए गिड़गिड़ाने वाले पाक हुक्मरान युद्ध खत्म होते ही जीत के दावे करने लगे थे। आनन-फानन में पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत कर दिया गया ताकि आवाम को लगे कि पाक ने जीत दर्ज की है, लेकिन कुछ ही दिनों के बाद जब भारत के हमलों के बाद हुए पाक सैन्य ठिकानों की तस्वीरें सामने आने लगी तो पाकिस्तानी नेताओं के झूठ की पोल खुल गई। ऐसा ही टीटीपी को लेकर भी हो रहा है। टीटीपी की कमर तोड़ने का दावा करने वाले पाकिस्तान के एक बड़े हिस्से पर इस आतंकी संगठन ने अपना शिकंजा कस दिया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वां प्रांत की राजधानी पेशावर में न सिर्फ टीटीपी के लोग खुलकर घूम रहे हैं बल्कि सड़कों पर चेकपोस्ट भी बना लिए हैं। पेशावर के पास से ऐसे कथित वीडियो सामने आए हैं, जिसमें टीटीपी लड़ाके सड़कों पर चौकियां बना रहे हैं। इससे पता चलता है कि इस इलाके में पाकिस्तान की सरकार और सेना का पूर्ण नियंत्रण नहीं है। पेशावर के आसपास के इलाकों में न पाकिस्तानी सेना है और न ही पुलिस। यहां टीटीपी के लड़ाके ही सब कंट्रोल कर रहे हैं। यहां पाक सरकार नकारा साबित हो चुकी है। टीटीपी तो क्या आम नागरिक भी सरकार के निर्देशों की अवहेलना कर रहे हैं। उनका समर्थन भी टीटीपी के साथ नजर आ रहा है। असल में पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में एक इलाका पड़ता है। नाम है फेडरली एडमिनिस्ट्रेटेड ट्राइबल एरियाज जिससे पता चलता है यहां ट्राइबल ज्यादा रहते हैं। पश्तून कबीलों की संख्या यहां ज्यादा है। बाजौर, मोहम्मद, खैबर, ओरकजई, कुर्रम जैसे जिले यहां पड़ते हैं। अफगानिस्तान से यह इलाका सटा हुआ है। अब पाकिस्तान का हिस्सा है लेकिन 2018 के पहले ऐसा नहीं था। यह सेमी-ऑटोनोमस हुआ करता था। यानी पूरी तरह पाकिस्तान के कानून यहां नहीं चलते थे। कबीलाई राज था यहां। वे अपने कानूनों के मुताबिक़ फैसले लेते थे। यहीं से टीटीपी की शुरुआत हुई। यह इलाका अफगानिस्तान से सटा हुआ है। इसलिए वहां हुई किसी भी हलचल का असर यहां पड़ता है। अमेरिका के नेतृत्व में जब नाटो सेना अफगानिस्तान में घुसी तब, अफगान तालिबान, अलक़ायदा और दूसरे चरमपंथी संगठन वहां से भागे। ये सब बॉर्डर क्रॉस करके यहां घुसे थे। उस समय पाकिस्तान में परवेज मुशर्रफ की सरकार थी। अमेरिका ने मुशर्रफ पर दबाव बनाया, पैसे भी दिए तो मजबूरन मुशर्रफ को पाक सेना भेजनी पड़ी। इससे इन कबीलों में नाराजगी हुई। वहां की जनता भी सरकार से नाराज़ हुई। चरमपंथी संगठनों ने इस नाराजगी को हवा दी। उन्होंने आम लोगों को लड़ने के लिए उकसाया। जो उनके साथ नहीं आए, उन्हें रास्ते से हटा दिया गया। इसके बाद इन गुटों ने आपस में मिलकर पाक आर्मी के ख़िलाफ़ मिलकर लड़ना शुरू किया। अब ये संगठन इतना ताकतवर हो गया है कि पाकिस्तान आर्मी से मुकाबला करने लगा है। ये अपना कानून चला रहे हैं। कहने को तो पाक पुलिस भी वहां है, लेकिन केवल दिखावे मात्र के लिए। आदेश टीटीपी के ही चलते हैं। हालात ऐसे ही कि ये हिस्सा कभी भी पाक से अलग हो सकता है। दूसरे के लिए कुआं खोदने वाले का ऐसा ही अंजाम होता है।

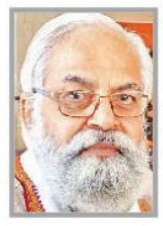

अनदेखी

ज्ञानेन्द्र रावत

# गर्व से कहो, प्रदूषण के बादशाह हैं हम

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को जहरीली हवा से बचाने के दावे पहले की तरह इस बार भी फिर फेल साबित हुए हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक में हमारी दिल्ली दुनियाभर में शीर्ष पर है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। भला हो तेज हवाओं का जिन्होंने प्रदूषण को एक जगह ठहरने नहीं दिया वर्ना हालात और खराब होते। यह हालात तब रहे जबकि सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखों के चलाये जाने की अनुमति दी थी लेकिन ग्रीन पटाखों के नाम पर जो पटाखे बेचे गए और चलाये गए, उनसे यह प्रदूषण हुआ। जाहिर है सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों–आदेशों का खुलेआम उल्लंघन हुआ। इस बार पिछले पांच सालों के मुकाबले दिवाली पर पीएम 2.5 की मात्रा सबसे ज्यादा रिकार्ड की गई।

अभी दो दिन ही बीते हैं दिवाली को कि दुनिया में हमारे देश की राजधानी दिल्ली ने प्रदूषण के मामले में कीर्तिमान बनाकर यह साबित कर दिया है कि भले हमारी सर्वोच्च अदालत कुछ भी कहे, वह लाख निर्देश दे लेकिन हम नहीं सुधरेंगे। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को जहरीली हवा से बचाने के दावे पहले की तरह इस बार भी फिर फेल साबित हुए हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक में हमारी दिल्ली दुनियाभर में शीर्ष पर है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। भला हो तेज हवाओं का जिन्होंने प्रदूषण को एक जगह ठहरने नहीं दिया वर्ना हालात और खराब होते। यह हालात तब रहे जबकि सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखों के चलाये जाने की अनुमति दी थी लेकिन ग्रीन पटाखों के नाम पर जो पटाखे बेचे गए और चलाये गए, उनसे यह प्रदूषण हुआ।

जाहिर है सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों-आदेशों का खुलेआम उल्लंघन हुआ। उसी का नतीजा रहा कि इस बार पिछले पांच सालों के मुकाबले दिवाली पर पीएम 2.5 की मात्रा सबसे ज्यादा रिकार्ड की गई। यह हालात अकेले देश की राजधानी दिल्ली के ही नहीं रहे, कमोबेश पूरा देश इसका शिकार हुआ है। दुख तो इस बात का है कि जब वायु गुणवत्ता सूचकांक की बात की जाती है तो इस पर खेद व्यक्त करने की जगह हमारे देश के भावी कर्णधार कहें या पुरोधा गर्व से यह कहते हैं कि- 'पटाखे तो ऐसे ही चलेंगे। पटाखे चलाने से कुत्ते डर जाते हैं। ऐसे लोगों के पेट में दर्द होता है। वायु प्रदूषण पर कुत्ते तो भौंकते ही रहते हैं, ऐसे लोगों को आगे देखेंगे, उनको सबक सिखाना पड़ेगा। ये कुत्ते तब नहीं बोलते, जब ईद पर लाखों बकरे कुरबानी के नाम पर मौत के घाट उतार दिए जाते हैं। तब प्रकृति प्रेमी नहीं बोलते। जज साहब ने आज तक ज्ञान नहीं दिया कि कितने बकरे काटे जाने चाहिए। बकरों का काटा जाना और दावतें उड़ाना इनके लिए आनंद का विषय है। इन्हें दीपावली पर वायु प्रदूषण और होली पर जल प्रदूषण दिखाई देता है।' दरअसल यहां इस प्रकरण का हवाला देने का एकमात्र मकसद यह था कि ऐसा अलवर में एक प्रकृति प्रेमी द्वारा वायु गुणवत्ता सूचकांक के सीमा से अधिक बढ़ने पर खेद जताने पर उसे देश के पुरोधाओं द्वारा सोशल मीडिया पर ऐसी सम्मानजनक टिप्पणी और देख लेने की धमकियां तक दी गई। कहने का आशय मात्र यह है कि वायु प्रदूषण पर दुख व्यक्त करने पर लोगों की इस तरह की सोच है, उस हालत में वायु प्रदूषण से मुक्ति की आशा कैसे संभव है। ऐसे लोगों को न जनता के स्वास्थ्य की चिंता है,न पर्यावरण की और न देश की सुप्रीम कोर्ट की। ऐसे लोगों से देशहित की आशा करना ही बेमानी है। दरअसल ग्रीन पटाखों से वायु प्रदूषण कम करने का दावा तो फुस्स हो ही चुका है क्योकि यदि ग्रीन पटाखे चले होते तो प्रदूषण 50 फीसदी तक कम होता लेकिन हुआ उसके बिल्कुल उलट। स्थिति यह रही कि प्रतिबंधित पटाखे न केवल खूब बिके बल्कि खुलेआम चले भी और जिस पुलिस पर इनके रोकथाम की जिम्मेवारी थी, वह ऐसा होते देखती रही या यूं कहें कि उसने कमाई के चक्कर में अपनी आंखें मूंद लीं। नतीजतन पटाखे 40 फीसदी ज्यादा बिके और दिल्लीवासी जहरीली हवा में सांस लेने को विवश हुए। हालात गवाह हैं कि दिल्ली में इस बार पिछले सालों के मुकाबले प्रदूषण सबसे ज्यादा रहा। सीएसआईआर भी इसकी पुष्टि करता है। यह पटाखों की

गुणवत्ता तय मानक के अनुरूप रहे, इस पर अंकुश पर निर्भर करता है। ऐसी स्थिति में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अमिताभ कांत का आशावाद बिल्कुल बेमानी है कि जब लास ऐंजिलिस,बीजिंग और लंदन प्रदूषण कम कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं। उनका यह कहना कि दिल्ली की हवा बेहद खराब है। 38 में से 36 निगरानी केन्द्र रेड जोन में हैं और दिल्ली के प्रमुख इलाकों में एक्यूआई 400 के पार है। सुप्रीम कोर्ट ने समझदारी दिखाते हुए पटाखे जलाने के अधिकार को जीने और सांस लेने के अधिकार से ऊपर रखा है। इससे बचने के लिए और लगातार इस दिशा में काम करने और सख्ती से पहल करने की जरूरत है। इसके लिए एकीकृत कार्य योजना बेहद जरूरी है। उनकी राय है कि फसल और बायोमास जलाना बंद करना चाहिए। थर्मल पावर प्लांट और ईंट भट्टों को बंद करना चाहिए या फिर उनको क्लीन टेक से माडर्न बनाना चाहिए। 2030 तक सभी ट्रांसपोर्ट को इलेक्ट्रिक में बदलना,कंस्ट्रक्शन की धूल पर सख्ती बरतना,कचरे को पूरी तरह अलग करना और प्रोसेसिंग को जरूरी बनाना होगा। दिल्ली को ग्रीन, पैदल चलने लायक बनाना होगा। ट्रांजिट पर फोकस करने के हिसाब से कार्ययोजना बनाकर फिर से डिजाइन करनी होगी। तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। सीपीसीबी की मानें तो देश के 200 से ज्यादा शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहा है। इनमें नोएडा, लखनऊ, गाजियाबाद, मेरठ जैसे शहर सर्वाधिक प्रभावित रहे। प्रदूषण बढ़ने से अस्पतालों में आंखों में जलन, गले में खराश,गले में दर्द की समस्या,सांस लेने में परेशानी,ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों का तांता लगा रहा। हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा है। पीएम 10 व पीएम 2.5 के कण फेफड़े में प्रवेश करने से सूजन बढ़ने के मरीज बढ़े। पीएम 2.5 बढ़ने से धमनियों में ब्लाकेज का खतरा बढ़ जाता है जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ने तथा सांस लेने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्रदूषण से 8 से 18 फीसदी हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है और कभी-कभार जानलेवा भी साबित हो जाता है। यह सब ग्रीन पटाखों की अनदेखी का परिणाम है। जबकि ग्रीन पटाखों से पीएम कण 30 फीसदी व हानिकारक गैसें दस फीसदी कम उत्सर्जित होती हैं। ऐसी स्थिति में घर के बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, पुराने रोगी और बच्चे घर में ही रहें। पर्याप्त पानी पियें। खानपान में कोल्डड्रिंक, ठंडी,खट्टी चीजों का परहेज करें। आवश्यक हो तो मास्क पहनकर बाहर जायें। गले में खराश होने पर गरारे करें और नाक जाम होने पर सुबह शाम भाप लें। पौष्टिक आहार लें व आंवले का सेवन करें। इससे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। घर में एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। आने वाले समय में पराली हमारे जीवन की प्रत्याशा पर ग्रहण लगाने वाली है। इसीलिए यह याद रखें कि सतर्कता ही हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी और बचाव की प्रमुख विधि है। इसमें दो राय नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## सियासत

डॉ. मोनिका शर्मा

# जापान की पहली महिला पीएम सकारात्मक बदलाव की आशा

दुनियाभर में चल रही राजनीतिक उठापटक के बीच पहली बार जापान की सत्ता की कमान एक महिला प्रधानमंत्री को मिली है। ध्यातव्य है कि लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख 64 वर्षीय साने ताकाइची जापान की प्रधानमंत्री के रूप में शिगेरु इशिबा की जगह लेने जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर चल रही गठबंधन की राजनीति के इस दौर में एक नए सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी के साथ गठबंधन के बाद जापान में कुछ समय से चल रहा राजनीतिक संकट समाप्त हुआ है। माना जा रहा है कि यह सत्तारूढ़ गठबंधन दक्षिणपंथी विचारधारा की ओर झुकाव रखने वाला होगा। हालांकि जापान के लिए उनका सत्तासीन होना एक ऐतिहासिक घटना है। जापान को 104वीं प्रधानमंत्री के रूप में इतिहास में पहली बार एक महिला प्रधानमंत्री मिली हैं। असल में लंबे समय जापान के सियासी पटल पर सक्रिय रहीं साने ताकाइची आर्थिक सुरक्षा, आंतरिक मामलों और लैंगिक समानता जैसे क्षेत्रों में कार्य कर चुकी हैं। वे जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक हैं। हालिया चुनावों में उनकी पार्टी को बहुमत नहीं मिलने और गठबंधन टूटने के कारण वहां नई सरकार को लेकर एक अनिश्चितता बन गई थी। ऐसे में ताकाइची ने मजबूत नेतृत्व और शासकीय स्थिरता का भरोसा देते हुए प्रधानमंत्री का पद हासिल किया है। ज्ञात हो कि चार महीने पहले लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की करारी हार के बाद से ही वहां राजनीतिक शून्यता और उलझाऊ स्थितियां बनी हुई थीं। निस्संदेह, एक महिला प्रधानमंत्री के रूप में वे जापान को नई दिशा देने का प्रयास करेंगी। देश के एक आम परिवार से आने वाली ताकाइची के परिवार की कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। जापान के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की शिष्या रहीं ताकाइची 10 बार सांसद चुनी गईं हैं। यही वजह है कि साने ताकाइची ने आर्थिक मोर्चे पर पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की एबेनोमिक्स नीति को बल देने की बात भी कही है। इस नीति के अंतर्गत वे कर-कटौती और सार्वजनिक निवेश बढ़ाकर विकास को गति देने वाला दृष्टिकोण रखती हैं। जापान जैसे विकसित देश में एक महिला का प्रधानमंत्री पद पर पहुंचना ऐसे कई मोर्चों पर बदलाव लाने वाला माना जा रहा है। ज्ञात हो कि ताकाइची राजनीतिक, सामाजिक और राष्ट्रीय मसलों पर स्पष्ट और मजबूत राय रखती आई हैं। विशेषकर जापान की सुरक्षा-नीति को सशक्त बनाने की हिमायती रही हैं। उनके विचारों को आमजन का समर्थन भी मिलता रहा है। जापान में ताकाइची को आयरन लेडी के नाम से भी जाना जाता है।

जापान की राजधानी टोक्यो की सड़कों पर उतरे नागरिकों ने ताकाइची प्रधानमंत्री बनने का स्वागत किया। वहां की स्त्रियों ने इसे नए युग की शुरुआत बताया है। जापान के राजनीतिक परिदृश्य में ताकाइची की पहचान एक दक्षिणपंथी नेता के रूप में बनी हुई है। वे राजनीतिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर ही नहीं सामाजिक-पारिवारिक विषयों पर भी पारंपरिक विचार रखती है। समान-लिंग विवाह और विवाहित दंपतियों के अलग-अलग उपनाम रखने जैसे मुद्दों का विरोध करती हैं। आप्रवासन पर कड़ा रुख रखने वाली ताकाइची ने यह भी कहा है कि नियम तोड़ने वाले आगंतुकों और अप्रवासियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विचारणीय है कि जापान में हुए सत्ता परिवर्तन से भारत पर भी असर पड़ेगा। भारत और जापान लोकतांत्रिक मूल्यों की साझेदारी, सशक्त आर्थिक सहयोग और सामाजिक-सांस्कृतिक विनिमय के धरातल पर जुड़े हुए हैं। जापान की कई बड़ी कम्पनियों की उत्पादन इकाइयां भारत में स्थापित हैं। दोनों देशों के बीच पुख्ता आर्थिक, सांस्कृतिक और सामरिक संबंध हैं।

इतना ही नहीं, दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग का भी मजबूत गठजोड़ है। बौद्ध धर्म के माध्यम से देखा जाए तो भारत और जापान के सभ्यतागत संबंध बरसों पुराने हैं। आपसी सामंजस्य और जुड़ाव के ये सभी पक्ष बहुत महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की सत्ता संभालने वाली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बधाई देते हुए दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई है। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी जापान यात्रा के दौरान टोक्यो में 15वें भारत-जापान आर्थिक फोरम को संबोधित करते हुए कहा भी था कि 'भारत की विकास यात्रा में जापान एक अहम भागीदार है।' ऐसे में साने ताकाइची का सत्ता संभालना भारत और जापान केलिए बहुत से मोर्चों पर मजबूत साझेदारी का मार्ग प्रशस्त करेगा। तकनीक, व्यवसाय, सुरक्षा और संस्कृति हर स्तर पर यह जुड़ाव और बेहतर होने की आशा है।

(लेखिका प्रसिद्ध स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## ज्ञान के सच्चे अधिकारी जनक

संकलित

दर्शन

याज्ञवल्क्य ब्रह्मज्ञानी थे। उनके ज्ञान की चर्चा दूर-दूर तक फैली हुई थी। बड़े-बड़े राजा और संत-महात्मा उपदेश ग्रहण करने के लिए उनके पास आया करते थे। वे बिना किसी भेदभाव के सबको उपदेश देते थे। महाराज जनक भी उनका उपदेश सुनने के लिए उनके आश्रम में आते थे। जनक के प्रति याज्ञवल्क्य के अधिक झुकाव को देखकर ऋषियों-मुनियों के मन में विकार पैदा हो गया। वे मन-ही-मन सोचने लगे, 'याज्ञवल्क्य महान ज्ञानी हैं। वेदों-उपनिषदों पर उपदेश देते हैं, फिर भी छोटे-बड़े का भेद करते हैं। जब तक जनक नहीं आ जाते, वे उपदेश आरंभ नहीं करते। वे जनक का आदर भी हम सबसे अधिक करते हैं। याज्ञवल्क्य को जब ऋषि-मुनियों के मन की बात मालूम हुई, तो उन्होंने उनके भ्रम को दूर करने का निश्चय किया। उस भ्रम को दूर करने के लिए उन्होंने अपनी योग शक्ति से एक नाटक रचा। उपदेश सभा में ऋषि-मुनि बैठे थे। जनक भी अपने आसन पर विराजमान थे। सहसा कुछ लोग दौड़ते हुए आए और ऋषियों-मुनियों को पुकारकर बोले, 'ऋषियों-मुनियों, तुम्हारी कुटियों में आग लगी हुई है। तुम्हारा सारा सामान आग में जल रहा है। आग लगने की खबर सुनते ही समस्त ऋषि-मुनि उपदेश सुनना छोड़कर भाग खड़े हुए। वे सब दौड़कर अपनी कुटियों में गए, लेकिन वहां कुछ नहीं था, क्योंकि वह तो याज्ञवल्क्य की योग-शक्ति का नाटक था। ऋषि-मुनि पुनः उपदेश सभा में आकर बैठे और उपदेश सुनने लगे। उधर जनक के राजभवन से भी दौड़ता हुआ एक दूत पहुंचा और उसने जनक को पुकारकर कहा, महाराज, राजभवन में आग लगी हुई है। पर जनक अविचलित भाव से उपदेश सुनते रहे।

## हर मुद्रा एक अलग भाव

संकलित

प्रेरणा

यदि आत्मा तक पहुंचना है, सूक्ष्म तत्व तक पहुंचना है, अस्तित्व तक पहुंचना है, तो इसी यात्रा पथ पर चलना होगा। इसी क्रम से चलना होगा। आप यह मान लें कि उस परम सत्ता को, परम अस्तित्व को, चैतन्य को, जो अमूर्त है, सूक्ष्म है, हमारे चर्म-चक्षुओं का विषय नहीं है, उसे हम देख लें- यह कहना और ऐसा समझना बहुत बड़ी भ्रांति होगी। इसका पहला अर्थ है- मन के द्वारा श्वास के स्पंदनों को देखें। इसका दूसरा अर्थ है-मन के द्वारा शरीर के प्रकंपनों को, संवेदनों को देखें। इसका तीसरा अर्थ है- विचारों को देखें। इस स्थिति तक पहुंच जाने पर आभामंडल स्पष्ट हो जाता है। अंतर्मन की इस यात्रा से हम सब प्रकार की आसक्ति से मुक्त हो जाते हैं। जब हम आसक्ति से मुक्त होते हैं, तब जीवन सुखमय होता है। श्वास का स्पर्श किए बिना, श्वास को देखे बिना शरीर को ठीक तरह से समझ नहीं सकते, देख नहीं सकते। शरीर को देखे बिना मन को नहीं देख सकते। मन को देखे बिना आभामंडल को नहीं देख सकते। आभामंडल को देखे बिना प्राण को नहीं देख सकते और प्राण को देखे बिना उस चैतन्य तक नहीं पहुंच सकते, जहां हमें पहुंचना है। यह पूरा-का-पूरा यात्रा पथ है।

## अंतर्मन

### आज की पाती

**सड़कों पर गिर रहे वाहन चालक**

रायपुर से पुराना धमतरी के लिए नई सड़क का निर्माण किया गया है। कुछ साल में ही सड़क खराब हो गई है। सड़क का डामर पिछलकर कहीं अप, कही डाउन हो गया। ऐसे में सेजबहार से लेकर बोरिया तक वाहन चलाने वालों को काफी दिक्क्तें हो रही हैं। दुपहिया सवार आए दिन हादसे के शिकार हो रहे हैं। सड़क और विभाग सड़क बनाकर भूल गया। इस रोड पर कई शिक्षण संस्थान भी है। ऐसे में रहवासियों के अलावा छात्र-छात्राओं का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

*- शाहीन बेगम, रायपुर*

## ट्रेंड

### आवासीय परिसर

गांधीनगर में विधायकों के लिए नवनिर्मित आवासीय परिसर का उद्घाटन किया। इस आवासीय परिसर में गुजरात विधानसभा के सदस्य एक ही परिसर में रह सकेंगे, जिससे जनप्रतिनिधियों और लोगों के बीच संवाद और भी सुगम होगा।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

### अमृत रेलवे स्टेशन

10 वर्षों में रेलवे में एनडीए सरकार ने दस गुना ज्यादा बजट दिया है। 20 वंदे भारत ट्रेन और 26 अमृत भारत ट्रेन बिहार से गुजरती है। 98 नए अमृत रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट की तरह चमचमा रहे है।

-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

### तैयारियों का जायजा

छठ महापर्व के पूर्व झुमरी छठ घाट का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और पर्व शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न हो, इस दिशा में हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

- अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री

### चिटनिस के निधन से दुःख

दूरदर्शी वैज्ञानिक और संस्थान निर्माता प्रो. ई.वी. चिटनिस के निधन से अत्यंत दुःख हुआ, जिन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान ने वैज्ञानिक नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

## करंट अफेयर

# मौजूदा समय में शांति अभियान जटिलताओं का सामना कर रहे

एकीकृत रक्षा स्टाफ प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बृहस्पतिवार को कहा कि आधुनिक युद्ध तेजी से बहुआयामी और सीमाहीन होते जा रहे हैं और आजकल संघर्षों में संयुक्त रूप से देशों की सेनाएं, मिलिशिया और आतंकवादी समूह शामिल होते हैं, जिससे शांति अभियान अभूतपूर्व स्तर पर जटिल हो जाते हैं। नयी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा कि इस बात पर मंथन करने की जरूरत है कि शांति स्थापना और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को आधुनिक वास्तविकताओं के अनुरूप कैसे ढाला जाए। उन्होंने कहा, हम वैश्विक भू-राजनीति में एक निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की व्यवस्था, जो सामूहिक उत्तरदायित्व, साझा मानदंडों और मानवीय मूल्यों पर आधारित थी, अब अत्यधिक दबाव में है। सीआईएससी ने रेखांकित किया कि दुनिया का लगभग एक-चौथाई हिस्सा संघर्ष प्रभावित है और आज दुनिया भर में 61 संघर्ष चल रहे हैं, जो 1946 के बाद से सबसे अधिक संख्या है। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र और अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति के सहयोग से 23 और 24 अक्टूबर को 'संघर्षरत विश्व में शांति स्थापना और मानवीय अनिवार्यता को आगे बढ़ाना' विषय पर 'यूएसआई संयुक्त राष्ट्र वार्षिक फोरम' का आयोजन किया जा रहा है।

## ऑफ बीट

# भारतीय कंपनियों का राजस्व तिमाही में मामूली बढ़ा

भारतीय कंपनियों का राजस्व जुलाई-सितंबर तिमाही में छह प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह बात कही गई। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक इकाई की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई-सितंबर की अवधि के दौरान परिचालन लाभ मुनाफे में सालाना आधार पर 0.60 प्रतिशत तक की कमी आई है। एजेंसी ने कहा, बिजली, कोयला, सूचना प्रौद्योगिकी सेवा और इस्पात क्षेत्रों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जुलाई-सितंबर तिमाही में कॉरपोरेट राजस्व में सालाना आधार पर मामूली पांच से छह प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के लिए एजेंसी ने 600 कंपनियों के प्रदर्शन का विश्लेषण किया और कहा कि धीमी वृद्धि दर्ज करने वाली इन क्षेत्रों की कंपनियों का कुल राजस्व में एक-तिहाई योगदान है। इसमें कहा गया कि क्रमिक रूप से जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान राजस्व वृद्धि पूर्ववर्ती अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में एक प्रतिशत अधिक होगी। लाभप्रदता के दृष्टिकोण से इसमें कहा गया कि मोटर वाहन, औषधि और एल्युमीनियम क्षेत्रों में कंपनियों को बढ़ी हुई लागत का पूरा भार ग्राहकों पर डालने में कठिनाई हुई तथा परिचालन लाभ मुनाफा जुलाई-सितंबर तिमाही में 0.50-1 प्रतिशत कम होने का अनुमान है।

# बिहार में सुशासन बनाम 'लठबंधन'

## राजद -कांग्रेस सिर्फ लूट और घोटाले करती है : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 'जंगल राज' के नेताओं ने केवल अपने परिवारों की परवाह की और बिहार के युवाओं का जीवन बर्बाद कर दिया, लेकिन मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राज्य को समृद्ध बनाया। बिहार के बेगूसराय में अपनी दूसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों को लालटेन (राजद का चुनाव चिन्ह) की जरूरत नहीं है, क्योंकि अब उनके मोबाइल फोन में टॉर्च है। उन्होंने कहा कि बिहार से युवाओं के पलायन के लिए भी राजद ज़िम्मेदार है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजग ने 'जंगल राज' को खत्म किया है और राज्य में सुशासन लाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में मुकाबला सत्तारूढ़ गठबंधन और 'महालठबंधन' के बीच है। उन्होंने कहा कि आप सभी को याद रखना चाहिए कि राजद-कांग्रेस का नाम सुनते ही निवेशक भाग जाते हैं। जो लोग नौकरी के नाम पर गरीबों से जमीन हड़पते हैं, वे आपको कभी रोजगार नहीं देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा बिहार चुनाव से अपने छह उम्मीदवारों को वापस लेने के फैसले पर भी राजद पर तीखा हमला बोला और कहा कि लालू प्रसाद यादव की पार्टी के अहंकार के कारण झामुमो ने महागठबंधन छोड़ दिया।

जिन लोगों को पता नहीं है, उन्हें बता दें कि झामुमो ने छह उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन अब उसने राजद और कांग्रेस की राजनीतिक साजिश का हवाला देते हुए बिहार चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। झामुमो ने यह भी घोषणा की है कि वह अब झारखंड में इन दोनों दलों के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजद ने पिछले दो दशकों में कोई चुनाव नहीं जीता है, लेकिन वह अपने अहंकार में जकड़ा हुआ है। इसी अहंकार के कारण उन्होंने झामुमो को गठबंधन से बाहर कर दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पैंतीस साल से बिहार में राजद की अनुयायी रही है... उन्होंने वीआईपी को भी गुमराह किया... जब स्वार्थ हावी हो जाता है और लूट ही लक्ष्य होता है, तो राजद और कांग्रेस ठीक यही कर रहे हैं। वे पहले टिकट बेचते हैं, फिर घोटाले करते हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा और नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

# कुरनूल बस अग्निकांड में 20 की मौत, कई लोगों ने कूदकर बचाई जान

एजेंसी

नई दिल्ली, आंध्र प्रदेश के कुरनूल ज़िले के चिन्नातेकुर के पास शुक्रवार सुबह एक निजी ट्रैवल बस में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से 18 यात्रियों की जीवित पहचान हो गई है। पुलिस ने बताया कि कई शव पूरी तरह से जल चुके थे, जिससे पहचान मुश्किल हो रही थी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह घटना तड़के लगभग 3:30 बजे हुई। बस और दोपहिया वाहन की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग पहले बस के अगले हिस्से में लगी और फिर तेजी से फैल गई। जैसे-जैसे आग बढ़ती गई, 12 यात्री आपातकालीन द्वार तोड़कर किसी तरह बच निकले और मामूली रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटना के समय इलाके में भारी बारिश हो रही थी, जिससे टक्कर होने की संभावना है। आग में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अधिकारी आग लगने के कारणों की जाँच कर रहे हैं। इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी हूँ। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएँ प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2-2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की भी घोषणा की। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बस में आग लगने की दुखद घटना में लोगों की मृत्यु अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूँ और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूँ।

### राष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश में बस अग्निकांड में हुई मौतों को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' बताया

एजेंसी

नई दिल्ली, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश में एक बस में आग लगने के कारण लोगों की हुयी मौत पर शोक प्रकट किया और इस दुर्घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दुखद बस अग्निकांड में हुई मौतों की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिये प्रार्थना करती हूं।'' पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हैदराबाद जा रही एक निजी बस में शुक्रवार तड़के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के पास एक दोपहिया वाहन से टकराने के बाद आग लग गई, जिससे इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बाइक सवार भी शामिल है।

**मौसम**

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

**बाजार**

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

**संक्षिप्त समाचार**

### असम में हेरोइन के साथ चार लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि असम के श्रीभूमि जिले में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से दो किलो से अधिक मात्रा में हेरोइन बरामद की है। ये गिरफ्तारियां और मादक पदार्थ की बरामदगी बदरपुर रेलवे स्टेशन पर एक अभियान के दौरान हुई। शर्मा ने बृहस्पतिवावार शाम को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, असम में मादक पदार्थों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, बदरपुर रेल पुलिस ने बदरपुर रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक पर छापेमारी कर चार लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 2.15 किलो हेरोइन जब्त की गई।

### कौशांबी में मोटरसाइकिल डिवाइडर से टकराई, मामा-भांजे की मृत्यु

संवाददाता

कौशांबी, कौशांबी जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र में अनियंत्रित मोटरसाइकिल के बृहस्पतिवार देर रात डिवाइडर से टकरा जाने से मामा भांजे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। क्षेत्राधिकारी (मंझनपुर) शिवांक सिंह ने बताया कि जिले के महेवाघाट थाना क्षेत्र के अलवारा गांव का निवासी विकास (20) अपने मामा सोनू (22) की सगाई समारोह में शामिल होने मंझनपुर थाना क्षेत्र के छिकतपुर गांव गया था। उन्होंने बताया कि सगाई कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दोनों देर रात किसी काम से मंझनपुर गए थे और वापस लौटते समय तेजमती अस्पताल के सामने उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

# उप्र : आदित्यनाथ ने छठ पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को छठ महापर्व पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेशवासियों को संबोधित एक संदेश अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर साझा करते हुए छठ महापर्व की सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पोस्ट में कहा 'मेरे सम्मानित प्रदेश वासियों... छठ महापर्व आस्था व परंपरा के साथ-साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उत्सव है। एक जिला-एक नदी के अंतर्गत सरकार नदियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील है। आइए, छठ पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें।'

योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा 'इस पर्व का एक गहरा संदेश है-नदियों और जलाशयों के प्रति सम्मान व उनका संरक्षण। हम नदी सभ्यता की संतान हैं। हमारे लिए नदियां धमनियों सी है, जिनमें जल की स्मृतियां सुरक्षित हैं।'

# 'थार शक्ति' अभ्यास देख राजनाथ का पाक को कड़ा संदेश

दुस्साहस किया तो करारा जवाब

एजेंसी

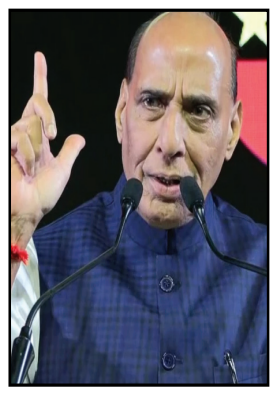

नई दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को जैसलमेर के लोंगेवाला के पास तनोट माता मंदिर का दौरा किया और पूजनीय मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा श्री तनोट राय माता मंदिर परिसर पर गिराए गए बिना फटे बमों को देखा, जो उल्लेखनीय रूप से फटे नहीं थे। यात्रा के बाद, सिंह ने लोंगेवाला सीमा पर चल रहे थार शक्ति अभ्यास का अवलोकन किया। राजस्थान अभ्यास थार शक्ति एक भारतीय सेना का अभ्यास है जो रेगिस्तानी इलाकों में भूमि-आधारित युद्ध पर केंद्रित है।

गुरुवार को, सिंह ने जैसलमेर में शौर्य वन का उद्घाटन किया, जिसके बाद उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध संग्रहालय का भी दौरा किया। सिंह ने शौर्य वन के मुख्य आकर्षण को भी देखा। शौर्य वन थार रेगिस्तान में एक नया प्रकाश और ध्वनि शो है प्रकाश एवं ध्वनि शो जैसलमेर स्थित 1971 भारत-पाक संग्रहालय में आयोजित किया जाता है। इस बीच, जैसलमेर में बड़ाखाना के दौरान सैनिकों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि 'पाकिस्तान अब भारत के खिलाफ कोई भी दुस्साहस करने से पहले दो बार सोचेगा क्योंकि हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उन्हें कड़ी चेतावनी दी है।'

यह दोहराते हुए कि ऑपरेशन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि रुका हुआ है, रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसने कोई दुस्साहस किया तो उसे और भी कठोर जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे पायलटों ने पाकिस्तान के सामने भारत की ताकत का केवल एक प्रदर्शन किया है। अगर मौका मिला, तो वे हमारी असली ताकत का प्रदर्शन करेंगे। यह बताते हुए कि देश के विरोधी कभी निष्क्रिय नहीं होते, राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को सतर्क और तैयार रहने तथा उनकी गतिविधियों के खिलाफ उचित और प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया।

राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के विजन को साकार करने में सशस्त्र बलों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'हमारे सैनिक न केवल सीमाओं के रक्षक हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के अग्रदूत भी हैं।

# 'इंडिया' गठबंधन मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करता है: चिराग पासवान

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर आरोप लगाया कि विपक्ष मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करता है, और उनके वास्तविक प्रतिनिधित्व से हमेशा किनारा करता है। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पासवान ने कहा, 'इंडिया' गठबंधन यादवों और सहनी समाज के नाम पर राजनीति कर रहा है, लेकिन मुसलमानों की बात वह केवल वोट के समय करता है। मुसलमानों की जनसंख्या बिहार में लगभग 18 फीसदी है, फिर भी 'इंडिया' गठबंधन ने किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या किसी प्रमुख पद का उम्मीदवार नहीं बनाया। उन्होंने कहा, 'तेजस्वी यादव, यादव समाज से हैं, जिनकी आबादी करीब 13 फीसदी है, जबकि मुकेश सहनी, साहनी समाज से आते हैं, जिनकी आबादी लगभग 2 फीसदी है। लेकिन 18 फीसदी मुस्लिम आबादी के बावजूद, मुसलमानों को सत्ता की भागीदारी से वंचित रखा गया है। ये लोग सिर्फ मुसलमानों को डराकर और भावनात्मक मुद्दों पर भड़का कर वोट लेना जानते हैं, उन्हें असली प्रतिनिधित्व देने की उनकी नीयत कभी नहीं रही।' पासवान ने वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा 'सहनी समाज के नाम पर राजनीति करने वाले मुकेश सहनी ने अपने समाज को भुला दिया है। उन्होंने केवल अपने लिए उपमुख्यमंत्री का पद मांगा, समाज के अधिकारों के लिए एक शब्द नहीं कहा। अब वह केवल स्वार्थ की राजनीति कर रहे हैं। लोजपा (रामविलास) प्रमुख ने कहा कि महागठबंधन जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने की कोशिश कर रहा है, जबकि केंद्र सरकार सभी वर्गों के लिए समान रूप से योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा, '2005 में मेरे पिता रामविलास पासवान ने कहा था कि बिहार में मुख्यमंत्री मुस्लिम समाज से बनाया जाना चाहिए, लेकिन तब भी किसी ने ध्यान नहीं दिया। आज भी मुसलमानों को सिर्फ वोट के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।' पासवान ने दावा किया कि अब मुसलमान भी समझ चुके हैं कि तेजस्वी यादव और उनके सहयोगी केवल चुनाव के वक्त उन्हें याद करते हैं, शासन और सत्ता में उन्हें कोई जगह नहीं देते। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सभी तबकों के विकास के लिए काम कर रही है, जबकि महागठबंधन समाज को जाति और धर्म के आधार पर विभाजित करने की राजनीति कर रहा है।

# '100 शहाबुद्दीन भी आ जाएं तो कुछ नहीं कर पाएंगे' : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार चुनाव में दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे, एक सजायाफ्ता अपराधी, को मैदान में उतारने के लिए राजद पर तीखा हमला किया और बिहार के सीवान में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।' राजद ने आगामी चुनावों के लिए सीवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को मैदान में उतारा है। भाजपा के शीर्ष नेता ने सीवान के लोगों को बहादुर बताया, जिन्होंने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके।

अमित शाह ने कहा कि 20 सालों से, ए-श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर शहाबुद्दीन, जिसके खिलाफ लगभग 75 मुकदमे, दो बार जेल की सजा, तिहरे हत्याकांड, एक एसपी पर हमला... उसने एक व्यवसायी के बेटों को तेजाब में तब तक नहलाया जब तक उनकी खाल नहीं उतर गई। सीवान के बहादुर लोगों ने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। शहाबुद्दीन के बेटे को खुद लालू प्रसाद यादव ने रघुनाथपुर से टिकट दिया है। अब, नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के राज में, चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल पूरी तरह बिखर गया है। रैली के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार और देश के अन्य हिस्सों में एक भी घुसपैठिए को नहीं रहने दिया जाएगा। अमित शाह ने कहा, 'राहुल गांधी कहते हैं कि सीवान में घुसपैठियों को रहने दिया जाना चाहिए... मैं आप सभी से वादा करता हूँ कि अगर आप एनडीए को वोट देंगे, तो हम देश से हर घुसपैठिए को निकाल देंगे।' केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार 14 नवंबर को 'असली दिवाली' मनाएगा, जब लालू के बेटे को चुनावों में अपमानजनक हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने 'जंगल राज' का अंत किया है। उन्होंने पूरे बिहार को 'जंगल राज' से मुक्त कराया और 20 साल बाद भी हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही ये चुनाव लड़ रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि वह सीवान के लोगों को नमन करना चाहते हैं क्योंकि 20 साल तक सीवान की इस धरती ने लालू-राबड़ी सरकार के 'जंगलराज' को बर्दाश्त किया है। उन्होंने कहा, 'सीवान ने अराजकता, हत्या और अन्य अपराधों को बर्दाश्त किया, लेकिन यहाँ के लोग झुके नहीं और 'जंगलराज' के खिलाफ लड़े।' इससे पहले दिन में, बिहार में राजद के 'जंगल-राज' की आलोचना करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने 'जंगल राज' को 'सुशासन' में बदल दिया और अब समय आ गया है कि पूरे बिहार में सुशासन को समृद्धि में बदला जाए।

# रेखा गुप्ता ने छठ घाटों का किया उद्घाटन

## आप पर त्योहार की तैयारी को लेकर झूठ फैलाने का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में कई छठ घाटों का उद्घाटन किया और कहा कि इस साल यह त्योहार पूरी भव्यता से मनाया जाएगा। उन्होंने विपक्षी दल आम आदमी पार्टी (आप) पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी के नेता झूठ फैला रहे हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष समेत पार्टी नेताओं ने शहर में छठ की तैयारियों को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। गुप्ता ने कहा कि इस साल छठ की सुंदरता और भव्यता ऐसी होगी जो पहले कभी नहीं देखी गई होगी। उन्होंने कहा, ''हमारे काम में खामियां निकालने के लिए (सोशल मीडिया पर) वीडियो पोस्ट करने वाले कुछ भी कह सकते हैं लेकिन हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'' उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली में कोई विकास कार्य किए बिना सत्ता में 11 साल बर्बाद कर दिए। गुप्ता ने लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में 70 लाख रुपये से निर्मित छठ घाट का उद्घाटन करते हुए कहा, ''झूठ फैलाना और प्रचार करना उनकी आदत है। लेकिन भाजपा सरकार जो वादा करती है उसे पूरा करती है। अभी तो केवल आठ महीने हुए हैं और अब भी बहुत काम किया जाना बाकी है। उन्होंने त्योहार से जुड़ी तैयारियों का भी निरीक्षण किया और द्वारका क्षेत्र में दो छठ घाटों का उद्घाटन किया।

# सपने देखने ही नहीं, उन्हें साकार करने का साहस ही नए भारत की पहचान है: सिंधिया

एजेंसी

वडोदरा/अहमदाबाद/ नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज गुजरात के वडोदरा में आयोजित 17वें प्रधानमंत्री रोजगार मेले में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने गुजरात के युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के तहत संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रोजगार सृजन को आत्मनिर्भरता के मार्ग से जोड़ते हुए विकसित भारत की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

सिंधिया ने कहा कि यह मेला केवल रोजगार का अवसर नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और परिवार की खुशियों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को अमृत पीढ़ी का दर्जा देकर नई दिशा दी है। देश में आज शिक्षा, कौशल और रोजगार एक ही लक्ष्य से जुड़ चुके हैं और यह लक्ष्य है 'विकसित भारत @2047' के निर्माण।

सिंधिया ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से 21वीं सदी के विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली तैयार की गई है। देशभर में नए मेडिकल कॉलेज, ककळ, विश्वविद्यालय और कौशल विकास कार्यक्रम इस दिशा में परिवर्तन के प्रतीक हैं।

### डाक विभाग में अब तक 1.86 लाख से अधिक युवाओं को मिला रोजगार

सिंधिया ने बताया कि 2022 में प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए रोजगार अभियान के तहत अब तक 17 चरणों में डाक विभाग में 1.86 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दिया गया है। 16वें चरण तक 1,77,907 युवाओं को डाक विभाग में नियुक्तियाँ प्रदान की गईं। इस 17वें चरण में देशभर के 40 स्थलों पर 8,295 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं, जिससे डाक विभाग में रोजगार मेले में माध्यम से नियुक्तिओं की संख्या कुल 1,86,202 हो गई।

### युवाओं के हाथ में है भारत का भविष्य : सिंधिया

सिंधिया ने युवाओं से कहा कि आपके हाथ में केवल नियुक्ति पत्र नहीं, बल्कि देश का भविष्य है। इसे केवल नौकरी का अवसर न समझें, बल्कि अपने सपनों और राष्ट्र निर्माण की यात्रा की शुरूआत मानें। जब सरकार का संकल्प और युवाओं की ऊर्जा एक साथ आती है, तब भारत विजयी होता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे कौशल, साहस और सपनों के साथ आगे बढ़ें और ऐसा कार्य करें कि समय भी आपके साहस को सलाम करे।

रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

# वाओ, इट्स अमेजिंग!



बच्चो, देश-विदेश में एक से बढ़कर एक सुंदर इमारतें बनाई गई हैं। इनमें से कुछ तो देखने में बहुत ही अजब-गजब हैं, वास्तुकला का अद्भुत नमूना हैं। इन्हें देखकर अनायास ही मुंह से निकलता है-वाओ, इट्स अमेजिंग! जानो, ऐसी ही कुछ अनोखी बिल्डिंग्स के बारे में।

### बिग बास्केट बिल्डिंग अमेरिका



**अमेरिका के** न्यूयॉर्क में एक अनोखी टोकरीनुमा इमारत है, इसे 'बास्केट बिल्डिंग' के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण लॉन्गाबर्गर कंपनी ने वर्ष 1997 में किया था। यह बास्केट बिल्डिंग हाथ से बनी मेपल की लकड़ी की टोकरियों के प्रसिद्ध निर्माता लॉन्गाबर्गर कंपनी का मुख्यालय रही है। विश्व की सबसे बड़ी बास्केट बिल्डिंग होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी इस बिल्डिंग के नाम है। इस 7 मंजिला इमारत में नेचुरल लाइट के लिए कांच की छत है। इसके ऊपर दो स्टील के हैंडल लगे हैं, जिनमें से प्रत्येक का वजन करीब 75 टन है। टोकरी के बड़े हैंडल सर्दियों में किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए गर्म रखे जाते हैं। इमारत पर दो टैग लगे हैं, जो लॉन्गाबर्गर द्वारा बेची जाने वाली हर टोकरी पर लगे लेबल से मिलते-जुलते हैं। *

### साइबरटेक्चर एग बिल्डिंग भारत

**मुंबई में** स्थित जेम्स लॉ साइबरटेक्चर बिल्डिंग का डिजाइन अपने आप में बहुत अनूठा है। इस इमारत को हॉन्ग-कॉन्ग की एक फर्म ने डिजाइन किया है। 13 मंजिला यह कमर्शियल बिल्डिंग अंडे के आकार की है। इस इमारत को बनाने में कंक्रीट, स्टील और ग्लास का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके ऑफिस का कैंपस 33,000 स्क्वायर मीटर में बना हुआ है। तीन अंडरग्राउंड लेवल्स में 400 गाड़ियों के लिए पार्किंग स्पेस भी है। अपनी डिजाइनिंग के लिए ही नहीं, अपने एन्वॉयरमेंट फ्रेंडली स्ट्रक्चर के लिए भी यह इमारत प्रसिद्ध है। *

### बर्ड्स नेस्ट स्टेडियम चीन



**बीजिंग राष्ट्रीय** स्टेडियम, जिसे बर्ड्स नेस्ट यानी 'चिड़िया का घोंसला' के नाम से भी जाना जाता है। यह पूरी दुनिया में अपनी तरह की एक अनोखी संरचना है। यह चीन के बीजिंग के चाओयांग में ओलंपिक ग्रीन में स्थित एक स्टेडियम है। इस स्टेडियम की क्षमता लगभग 80,000 लोगों की है। यह वर्ष 2008 में बनकर तैयार हुआ था। इस स्टेडियम को खासतौर से 2008 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक के लिए डिजाइन किया गया था। *

### गिटार शेड होटल अमेरिका



**अमेरिका के** दक्षिण फ्लोरिडा में स्थित गिटार के आकार का होटल, अपनी तरह का पहला होटल है। अक्टूबर 2019 में इसका निर्माण शुरू हुआ था। यह होटल 35 मंजिला है। यह गिटार होटल दक्षिण फ्लोरिडा में 450 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। दक्षिण फ्लोरिडा के पर्यटन क्षेत्र में इसका अनोखा स्थान है। इसमें 600 से ज्यादा कमरे हैं। रात में इसकी जगमगाती लाइट्स, गिटार के तारों जैसी लगती हैं। *

### बिग पाइनएप्पल ऑस्ट्रेलिया



**बिग पाइनएप्पल**, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया के सनशाइन कोस्ट क्षेत्र के वूम्बी, नैंबोर कनेक्शन रोड पर स्थित एक आकर्षक दर्शनीय बिल्डिंग है। इसे पेडल थॉर्प और हार्वे, पॉल लफ और गैरी स्मॉलकॉम्ब एंड एसोसिएट्स ने डिजाइन किया था। इसे सनशाइन प्लांटेशन के नाम से भी जाना जाता है। इसको 6 मार्च 2009 को क्वींसलैंड हेरिटेज रजिस्टर में शामिल किया जा चुका है। *

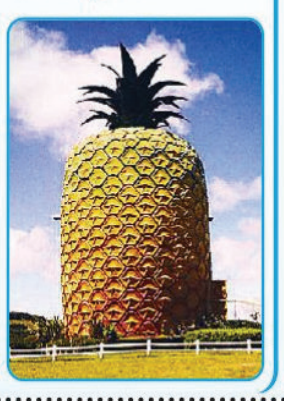

### हाई-हील वेडिंग चर्च ताइवान



**ताइवान के** बुदाई टाउनशिप में यह एक विशाल कांच का चर्च है, जो सिंड्रेला के कांच के जूते के आकार का है। यह हाई-हील वेडिंग चर्च महिला श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से 2016 में बनाया गया था। इसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी हाई-हील के आकार की संरचना के रूप में प्रमाणित भी किया गया है। *

### नोंक पर टिका चर्च कनाडा



**कनाडा के** कैलेशी में यह चर्च स्थित है। यह देखने में उल्टा लगता है। यह एक नोंक पर टिका हुआ चर्च है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र है। कनाडा के इस अनोखे चर्च का नाम 'डिवाइस टू रूट आउट डेविल' है। इसका मतलब शैतान या बुराई को जड़ से उखाड़ने के यंत्र से है। इसका निर्माण 2019 में हुआ था। *

बच्चो, किसी पहाड़ की ऊंचाई से गिरते हुए पानी को झरना यानी वाटर फॉल कहते हैं। ऊंचे पहाड़ों से जब तेज गति के साथ पानी गिरता है, तो यह दृश्य बहुत ही मनोरम लगता है। हम तुम्हें अपने देश के तीन सबसे ऊंचे झरनों के बारे में बता रहे हैं।

# देश के तीन फेमस हाईएस्ट वाटर फॉल्स

जानकारी / नयनतारा

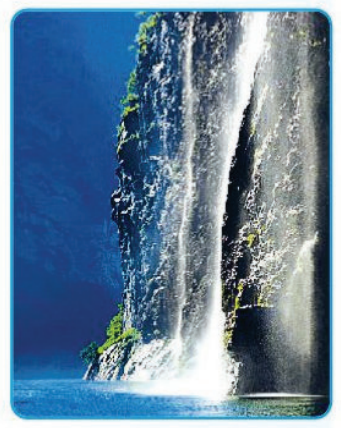



बच्चो, झरना यानी वाटर फॉल किसी ऊंचाई से नीचे की तरफ गिर रहा पानी का एक नेचुरल फ्लो होता है। आमतौर पर झरना ऊंचे पहाड़, ऊंची चट्टान या चट्टानी ढलान से नीचे की तरफ गिरता है। जब झरने का यह पानी नीचे की तरफ गिरता है, तो बड़ा ही मनोरम लगता है। अपने देश में ऐसे बहुत से सुंदर-प्रसिद्ध झरने हैं, जिसे देखने देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इनमें से कुछ झरनों की विशेषताओं के बारे में यहां हम तुम्हें बता रहे हैं।

**दूसरा सबसे ऊंचा झरना:** बच्चो, देश का दूसरा सबसे ऊंचा झरना ओडिशा के मयूर भंज जिले के सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। यह बरेहीपानी नाम से जाना जाता है। यह झरना 399 मी. (1,309 फीट) की ऊंचाई से गिरता है। बरेहीपानी झरना देखने के लिए पर्यटकों को कोई परमिशन नहीं लेनी पड़ती। लेकिन चूंकि यह झरना सिमलीपाल नेशनल पार्क में स्थित है, इसलिए नेशनल पार्क में प्रवेश करने के लिए वन विभाग से परमिट लेना जरूरी होता है। यह परमिट पार्क के एंट्री गेट पर मिल जाता है।



**सबसे ऊंचा झरना:** कर्नाटक के शिवमोग्गा (शिमोगा) जिले के अगुंबे वर्षावन में स्थित कुंचिकल झरना भारत का सबसे ऊंचा झरना है। यह झरना 455 मी. (1,493 फीट) ऊंचा है और इससे गिरने वाले जल का मुख्य स्रोत कर्नाटक की वाराही नदी है। बच्चो, यह झरना कुंचिकल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट क्षेत्र में स्थित है। यह स्थान प्रतिबंधित क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां बिना अनुमति के प्रवेश वर्जित होता है। पर्यटकों को यहां तक जाने के लिए कर्नाटक पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड से अनुमति लेनी पड़ती है।

**तीसरा सबसे ऊंचा झरना:** अपने देश का तीसरा सबसे ऊंचा झरना, पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में चेरापूंजी के पास नोहकलिकई नामक झरना है, जो 340 मी. (1,115 फीट) ऊंचाई से गिरता है। इस झरने के व्यू प्वॉइंट तक जाने के लिए मेघालय पर्यटन विभाग को फिक्स एंट्री-फी देनी होती है। *

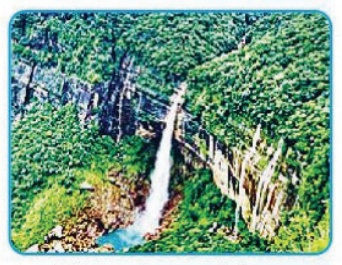



कविता / अरुण आदित्य

## खुशी



फूल टहनियों पर खुश रहते
तितली फूलों पर
चिड़ियां पेड़ों पर खुश रहतीं
बच्चे झूलों पर।
चांद आसमां में खुश रहता
मछली पानी में
पानी नदियां में खुश रहता
नदी रवानी में।
फुलवारी से फूल न तोड़ो
तितली को मत पकड़ो
चिड़ियों को आजादी प्यारी
पिंजरे में मत जकड़ो।
चांद पे झूला डाल के झूलो
नदियों को बहने दो
जिसको जहां खुशी मिलती है
उसे वहीं रहने दो।

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

## मिथकों से विज्ञान तक




हाल में किशोरों के लिए एक बहुत रोचक-ज्ञानवर्धक किताब आई है-मिथकों से विज्ञान तक। इसके लेखक हैं प्रसिद्ध वैज्ञानिक गौहर रजा। यह किताब तुम्हें कई सवालों के जवाब देगी जैसे कि ब्रह्मांड कैसे बना और समय के साथ उसमें क्या-क्या बदलाव आए? विज्ञान और मिथकों में क्या फर्क है? विज्ञान और धर्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या पूरक? इस किताब में दुनिया भर के मिथकों के उदाहरण देकर विज्ञान की कसौटी पर उन्हें परखा गया है। किताब में ऐसे भी उदाहरण दिए गए हैं, जिससे तुमको मनोरंजन और ज्ञान दोनों मिलेगा। अगर तुम्हारी विज्ञान में रुचि है तो इस किताब को जरूर पढ़ना चाहिए। *

**किताब:** मिथकों से विज्ञान तक, **लेखक:** गौहर रजा,
**मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** पेंगुइन, स्वदेश

## जीके क्विज-176



1. साल 2025 में शांति का नोबेल पुरस्कार किसे मिला है?
2. भारत के वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त कौन है?
3. संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
4. गुरुत्वाकर्षण की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?
5. विश्वनाथन आनंद का संबंध किस खेल से है?
6. गाजर में कौन सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
7. श्वेत क्रांति (व्हाइट रिवोल्यूशन) का संबंध किससे है?
8. भारत का दक्षिणतम बिंदु किस नाम से जाना जाता है?
9. भारत में सबसे पहले सूर्योदय किस राज्य में दिखता है?
10. दूध की शुद्धता मापने के लिए किस यंत्र का प्रयोग किया जाता है?

**बच्चों, जीके क्विज-176 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।**

**जीके क्विज-175 का उत्तर :** 1.लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई, 2.स्वामी विवेकानंद, 3.कार्तिक, 4. प्रशांत महासागर, 5.गुजरात, 6.स्टेपीज, 7.दयानंद सरस्वती, 8.प्रकाश वर्ष, 9.पेरिस (फ्रांस), 10.बाल गंगाधर तिलक

**जीके क्विज-175 का सही उत्तर देने वाले :** कबीर-हिसार, आशुतोष-रायपुर, कमल-बिलासपुर, राजन-भोपाल, शिखर-बालोद, जतिन-दिल्ली, कुसुम-बेमेतरा, प्रियांक-बलौदा बाजार, सोहम-कांकेर, अविनाश-गुना, राखी-दुर्ग

बूढ़े कछुए ने आरसी को बताया कि समुद्र में इंसानो द्वारा फेंका गया प्लास्टिक कचरा समुद्र और समुद्री जीवों के लिए बहुत घातक है। आरसी ने तय किया वह प्रयास करेगा, ऐसा ना हो। क्या आरसी अपने प्रयास में सफल हुआ?

## जल की पुकार

कहानी / कल्पना मनोरमा

"कपड़े के थैले इस्तेमाल करें और प्लास्टिक भूल जाएं, तो समुद्री जीवों की जान बच सकती है, समुद्र जहरीला नहीं, साफ-सुथरा रहेगा।' बूढ़े कछुए ने दूसरे किनारे की ओर पड़े प्लास्टिक कचरे की ओर इशारा किया। आरसी ने देखा- एक छोटी मछली प्लास्टिक के बड़े टुकड़े में उलझकर तड़प रही है। पास ही एक कछुआ बेसुध पड़ा है। आरसी की आंखें भर आईं। उसने धीमे से पूछा, 'क्या इंसान नहीं जानता कि वह कुदरत को बिगाड़ रहा है?'

बूढ़े कछुए ने सिर हिलाया, 'कुछ जानते हैं, कुछ नहीं। लेकिन जब बच्चे सच बोलते हैं, तो बड़े भी सुनते हैं।'

आरसी ने गहरी सांस ली और बोला, 'मैं सभी की आवाज बनूंगा। मैं जल की पुकार बनूंगा।'

उस दिन से आरसी ने एक नया खेल खेलना शुरू किया। वह समुद्र किनारे जाकर चिल्लाता, 'सुनो, सुनो! जल कुछ कहता है–प्लास्टिक मत फेंको!'

शुरू-शुरू में बच्चे आरसी की इस गुहार पर हंसते, लेकिन धीरे-धीरे वे अपने खेल का सामान, खाना-पीना थैले में लेकर आने लगे। समुद्र में कुछ नहीं बहाते। समुद्र का किनारा साफ रहने लगा। एक दिन आरसी ने देखा- लहरें मानो ताली बजा रही हैं।

पानी के भीतर से मधुर स्वर गूंज रहा था- 'जल की पुकार सुनो, जीवों की रक्षा करो।'

आरसी ने बूढ़े कछुए को खोजकर अपनी सफलता बताई। बूढ़ा कछुआ मुस्कुराया, 'देखा, आरसी! यही असली बदलाव है। जब बच्चे सच बोलते हैं, तो बड़े भी सुनते हैं।'

आरसी उस रात चांद के साथ समुद्र के किनारे बहुत देर तक घूमता रहा। *

कहानी / प्रकाश मनु

धरती पर चमेली के फूल ऐसे ही नहीं खिले, इसके पीछे एक अजीबो-गरीब कहानी है, जो एक भोली-भाली लड़की के अद्भुत साहस की कहानी है।

## खिल उठे चमेली के फूल

एक थी चमेली। बड़ी ही सुंदर और भोली-भाली, लेकिन वह दिलेर भी कम न थी। गांव में जो काम कोई बच्चा नहीं कर पाता, उसे चमेली झट कर दिखाती। उसकी हिम्मत देखकर बच्चे ही नहीं, बड़े भी हैरान होते।

एक दिन, चमेली अपनी सहेलियों से बात कर रही थी। तभी किसी ने कहा, 'अगर इतनी ही होशियार हो तो क्या तुम अक्का बाबा का मोती ला सकती हो?'

'अक्का बाबा का मोती!' चमेली चकराई। अभी तक तो किसी ने यह सोचा भी नहीं था। कहते हैं, सैकड़ों बरस पहले सामने वाले पहाड़ की ऊंची चोटी पर रहते थे अक्का बाबा। उनके पास एक विचित्र मोती था। खूब बड़ा। नीचे धरती से उस मोती को देखने पर एकदम गोल-गोल चांद सरीखा लगता। अक्का बाबा कहा करते थे, 'यह खुशहाली का मोती है, पर इसे धरती पर ले जाना कोई खेल नहीं।'

सचमुच बहुतों ने कोशिश की, पर अक्का बाबा के उस मोती को कोई छू भी नहीं पाया। बड़ी ही कठिन चढ़ाई थी वहां की। पर चमेली ने सुना तो झट से बोली, 'हां-हां, क्यों नहीं?' और उसी समय चमेली ने पहाड़ पर चढ़ना शुरू कर दिया। शाम का समय था। चमेली तेजी से पहाड़ पर चढ़ती जा रही थी। कुछ देर में रात हो गई। सारे कबीले के लोग हैरानी से चमेली को देख रहे थे, जो सीधे खड़े पहाड़ पर बड़ी हिम्मत से चढ़ती जा रही थी।

वह पूनम की चांदनी रात थी। सब ओर चांदनी बिखरी हुई थी। इसलिए दुर्गम पहाड़ पर तेजी से चढ़ती चमेली हर किसी को नजर आ रही थी। सभी उसकी हिम्मत की दाद दे रहे थे। चलते-चलते चमेली आखिर पहाड़ की चोटी पर पहुंची। उसने अक्का बाबा का मोती उठाया और फौरन वापस नीचे की ओर चल दी। ऐसा लगता था, आसमान के चांद की तरह चमेली की हथेली पर भी एक चांद रखा है, जिसे लिए-लिए वह धरती पर आ रही है।

सुबह चमेली धरती पर आई, तो कबीले के लोगों ने हैरानी से देखा कि सांवले रंग की चमेली अब एकदम चांदनी जैसी उजली हो गई थी। पता नहीं, यह पूनम की चांदनी का असर था या फिर उस बड़े से श्वेत मोती का, जो अब चमेली के हाथ में था। पर जैसे ही चमेली ने वह अनोखा मोती अपनी सहेलियों को दिया, उनमें पहले उसे लेने की होड़ लग गई। और फिर न जाने कब वह धरती पर गिरा और टूट कर छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट गया।

तभी एक और चमत्कार हुआ। लोगों ने देखा, चमेली अब अदृश्य हो चुकी थी और जहां वह मोती टूट कर गिरा था, वहां छोटे-छोटे सुंदर, महकते फूल खिल उठे थे। कबीले के लोगों ने उनका नाम रखा, चमेली के फूल। जहां-जहां उस कबीले के लोग गए, वहां-वहां पहुंचे चमेली के फूल और फिर एक दिन सारी धरती पर छा गए। *



## अंतर बताओ

बच्चो, यहां फुटबॉल खेल रहे लड़कों के दो चित्र दिए गए हैं। इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये पांचों अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट पांच अंतर खोजो।




उत्तर : 1. स्ट्राइकर (गोल करने वाला खिलाड़ी) की दोनों आंखें बंद है। 2.स्ट्राइकर की जर्सी का नंबर बदला हुआ है। 3.स्ट्राइकर के दाहिने पैर के जूते पर दो धारियां बनी हुई है। 4.ऊपर आसमान में बादल के दो टुकड़े दिख रहे हैं। 5.मैदान में आगे कम घास उगी हुई है।

## सही मिलान करो

बच्चो, नीचे बाईं तरफ कुछ चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाई क्रमवार नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से प्रत्येक चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करो।

उत्तर: 1-D, 2-C, 3-A, 4-B

# नहाय, खाय के साथ प्रारम्भ हुआ सूर्योपासना का महापर्व छठ

## 0 समिति द्वारा की जा रही महापर्व की व्यापक तैयारियां, दुल्हन की तरह सज रहा रेणुका का तट
## 0 विधायक भूलन, कलेक्टर व एसएसपी ने घाट पहुंचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** शनिवार को नहाय खाय के साथ तीन दिनो तक चलने वाला सूर्योपासना का महापर्व छठ प्रारम्भ हो गया। आज रविवार 26 अक्टूबर को खरना, घाट बंधान एवं सोमवार 27 अक्टूबर को व्रतियों द्वारा अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को अर्घ्य दिया जाएगा। मंगलवार 28 अक्टूबर को उदयीमान भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा। छठ महापर्व को लेकर छठ पूजा समिति के द्वारा रेणुका नदी के तट स्थित छठ घाट में साफ सफाई के साथ श्रद्धालुओ की सुविधा के दृष्टिगत व्यापक व्यवस्थाओ के साथ रेणुका के तट को रंग बिरंगे रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। जहां शहर सहित आसपास क्षेत्र से बड़ी संख्या में व्रती परंपरानुसार पूजन अर्चन पश्चात भगवान भष्कर अर्घ्य देंगे। वहीं शहर के नए बाजारपारा स्थित छठ तालाब में भी साफ सफाई के साथ अन्य व्यवस्थाएं की जा रही है। क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मराबी, कलेक्टर एस जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रभाकर शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने रेणुका नदी स्थित छठ घाट का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने प्रशासनिक स्तर पर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी कर्मचारियों को दिए है। जबकि नगर पालिका की पूरी टीम छठ घाट पर समुचित व्यवस्था करने के लिए जुटी हुई है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओ की उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा एवं यातायात की चकाचौंबद व्यवस्था के लिए भी पुलिस कप्तान ने निर्देश दिए है।

### वाराणसी के कलाकार करेंगे छठी मईया के भजनो की अमृतवर्षा

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं के मनोरंजन हेतु विशेष कार्यक्रम की व्यवस्था की गई है जो सोमवार की शाम से प्रारम्भ होकर 2मंगलवार अल सुबह तक चलेगा। उक्त आयोजन के दौरान वाराणसी से आमंत्रित कलाकार अनिकेत कुमार एवं विजिता की टीम द्वारा छठी मईया के भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी।

### घाटों पर पुलिस अधिकारी व जवानों की रहेगी कड़ी चौकसी, बनेगा अस्थाई पुलिस कन्ट्रोल रूम

लोक आस्था के इस महापर्व को एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने शनिवार को शहर के रेणुका नदी स्थित छठ घाट का जायजा लिया जहां घाट की सफाई सहित समुचित व्यवस्था को दुरूस्त करने की कवायत तेजी से जारी है। नदी में पानी की अधिकता को देखते हुए उन्होंने छठ घाट पर लाइटिंग के साथ गोताखोर और मेडिकल टीम की तैनाती समेत कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसएसपी ने बताया कि जिले में जिन-जिन स्थानों पर छठ पर्व मनाया जाता है वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध किए है। छठ पूजा के दौरान पूरे जिले भर में विभिन्न घाटों पर 350 से अधिक संख्या में पुलिस अधिकारी, पुलिस के जवान को तैनात किए जायेंगे।

### शहर की व्यवस्था सुगम बनाने मुस्तैद रहेगी पेट्रोलिंग टीम

छठ घाट के अलावा शहर की भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए पुलिस की कई पेट्रोलिंग टीमें लगातार मुस्तैद रहेगी, घाट पर अस्थाई पुलिस कन्ट्रोल रूम बनाया जायेगा। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर कन्ट्रोल रूम के नंबर 9479193999 पर सूचना दी जा सकती है।

रेड़ नदी मुख्य छठ घाट पर उमड़ने वाली भीड़, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों से भी चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति द्वारा व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की जा रही तैयारी की भी जानकारी ली और कई जरूरी निर्देश भी दिए। यातायात प्रभारी को वाहनों की पार्किंग के उचित इंतेजाम करने के निर्देश दिए। समिति की ओर से यहां व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए की जा रही तैयारी पर संतोष जताया। इस दौरान छठ पूजा समिति गणेश सोनी, सुनील विश्वकर्मा अनिल गुप्ता, गोविन्द साहू, संतोष सोनी, पंकज चौबे, प्रदीप सोनी, सुनील सोनी, संजय सोनी, श्रवण जैन, सूरज अवस्थी, मुदित जैन, विक्की मिश्रा सहित अन्य गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे।

### भारी वाहन रहेंगे प्रतिबंधित

पुलिस ने छठ पर्व को लेकर सोमवार, 27 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे से मंगलवार 28 अक्टूबर की सुबह 10 बजे तक महगवां चौक से रिंग रोड़ कर्मा चौक तक सभी भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया है। इसी प्रकार उक्त अवधि समय पर विश्रामपुर से भटगांव मार्ग, दतिमा से विश्रामपुर तक सभी भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।

### महापर्व को लेकर चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में उत्साह का माहौल

छठ महापर्व को लेकर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के महुली, कोल्हूआ, शाहिद और आसपास के गांवों में उत्साह का माहौल है। महिलाओं द्वारा नदी और तालाबों के घाटों की सफाई, सजावट और समतलीकरण का कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। श्रद्धालु छठ महापर्व को लेकर पूरी तरह तैयारियों में जुट गए हैं। गांव-गांव में भक्ति और आस्था की लहर दौड़ पड़ी है। घरों में प्रसाद के लिए थोहरी, ईख, नारियल और ठेकुआ की तैयारी चल रही है। हर तरफ छठ मइया के गीतों की गूंज सुनाई दे रही है।

स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग ने भी पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतज़ाम किए हैं। नदी किनारों और सार्वजनिक स्थलों पर सफाई व्यवस्था और रोशनी की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। भक्ति, अनुशासन और पवित्रता का प्रतीक छठ पर्व गांवों में सामाजिक एकता और लोक परंपरा का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

# जिले के छतरंग बड़वार में 15 हाथियों ने मचाया उत्पात

## 0 12 किसानों की खेत मे खड़ी धान की फसल पैरों तले रौंद कर किया बर्बाद 0 दहशत में ग्रामीण, वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छतरंग बड़वार गांव में एक बार फिर जंगली हाथियों का आतंक देखने को मिला है।

जानकारी के अनुसार, लगभग 15 हाथियों के झुंड ने गांव के खेतों में घुसकर 12 किसानों की धान की फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। यह झुंड लगातार कैलाशनगर और बिहारपुर वन परिक्षेत्र के जंगलों के बीच विचरण कर रहा था और बीती रात छतरंग की ओर बढ़ गया। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का झुंड रात करीब 11 बजे गांव के खेतों में दाखिल हुआ। पहले खेतों में कुछ हलचल सुनाई दी, फिर अचानक हाथियों का पूरा दल फसलों को पैरों तले रौदने लगे। ग्रामीणों ने टीन के डिब्बे और मशाल जलाकर उन्हें भगाने की कोशिश की मगर उनका प्रयास सार्थक नहीं हो सका। करीब दो घंटे तक हाथियों ने खेतों में उत्पात मचाया, जिसके बाद वे गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान छतरंग क्षेत्र के जंगल में चले गए।

### ग्रामीणों को सतर्कता की दी गई सलाह

वन विभाग रेंजर मेवा लाल पटेल ने जानकारी दी कि छतरंग बड़वार वन क्षेत्र में 15 हाथियों का दल सक्रिय है। अब तक 12 किसानों की फसल को नुकसान की पुष्टि हुई है। हमारी टीम मौके पर लगातार गश्त कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

### किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

हाथियों के झुंड द्वारा की गई तबाही से छतरंग, बड़वार और आसपास के गांवों के किसान मायूस हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने पूरे वर्ष की मेहनत से फसल तैयार की थी, लेकिन कुछ ही घंटों में सब बर्बाद हो गया।

स्थानीय किसान ने बताया कि हाथियों ने खेतों में लगे धान को पूरी तरह रौंद दिया है, जिससे उन्हें काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। किसानों ने प्रशासन और वन विभाग से त्वरित मुआवजे की मांग की है। वन विभाग के अनुसार यह झुंड कैलाशनगर और बिहारपुर वन परिक्षेत्र के बीच कई दिनों से घूम रहा है। विभाग की टीमों को सतर्क रहने और ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। हाथियों को जंगल की ओर वापस मोड़ने के लिए वन कर्मियों की ड्यूटी लगातार लगाई गई है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से हाथियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं, लेकिन बीती रात उन्होंने पहली बार इतने करीब से उन्हें देखा। कई घरों में लोग पूरी रात जागकर सुरक्षा में जुटे रहे।

ग्रामीणों ने वन विभाग से रात्रि गश्त बढ़ाने और स्थायी समाधान की मांग की है ताकि हर साल होने वाली इस समस्या से निजात मिल सके। किसानों का कहना है कि हर साल धान पकने के मौसम में यही स्थिति बनती है। हाथियों के उत्पात से जहां फसलों का नुकसान होता है, वहीं ग्रामीणों की जान को भी खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि सरकार को हाथी प्रभावित इलाकों में स्थायी बैरियर, चेतावनी तंत्र और क्षतिपूर्ति की पारदर्शी व्यवस्था लागू करनी चाहिए।

# धान के अवैध आवक को रोकने अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थापित होंगे 3 चेक पोस्ट

## 0 कलेक्टर ने बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश 0 जिले के 54 धान उपार्जन केद्रों हेतु किये गए जिला नोडल अधिकारी नियुक्त

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** 15 नवम्बर से प्रारम्भ होने वाली धान खरीदी की निगरानी, नियंत्रण, बारदाना व्यवस्था एवं व्यवस्थित खरीदी हेतु जिले के समस्त 54 धान उपार्जन केद्रों के लिए जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शनिवार को कलेक्टर एस.जयवर्धन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में समस्त धान उपार्जन केद्रों के नोडल अधिकारी, खरीदी प्रभारी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को धान उपार्जन की आरंभिक तैयारी के संबंध में विस्तृत प्रषिक्षण दिया गया। धान उपार्जन केंद्रों के नोडल अधिकारियों को पात्र किसानों से निर्धारित गुणवत्ता का धान उपार्जन करने, बोरे की मानक स्टेकिंग करने, कोचिंये एवं बिचौलिओं के द्वारा धान खपाने से रोक लगाये जाने तथा नियमित भौतिक सत्यापन एप्प के माध्यम से धान के स्टॉक का वेरिफिकेशन करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। बैठक में गिरदावरी हेतु आबंटित खसरे के निरीक्षण भौतिक सत्यापन एप्प के माध्यम से किए जाने के निर्देश दिए गए। सभी नोडल अधिकारियों को आबंटित उपार्जन केद्रों का निरीक्षण 28 अक्टूबर तक कर 33 बिंदुओं के चेक लिस्ट के आधार पर की गई तैयारी की जानकारी चेक लिस्ट तथा भौतिक सत्यापन एप्प के माध्यम से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही उपार्जन केंद्र प्रभारी तथा कंप्यूटर ऑपरेटर को समितिवार एग्रीस्टैक पंजीयन में व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त किसानों तथा कैरी फॉरवर्ड नहीं किए गए किसानों के संबंध में विस्तृत समीक्षा किया गया। समिति में धान उपार्जन के नवीन समिति सॉफ्टवेयर, टोकन तुंहर हाथ एप्प तथा सतर्क एप्प के बारे में जानकारी दिया गया। टोकन तुंहर हाथ एप्प के माध्यम से किसान अपना टोकन स्वयं ही जारी कर सकते हैं। जिसमें किसान को अपना किसान कोड दर्ज करना होगा तथा पंजीयन हेतु उनके आधार से संबद्व मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा। जिससे वह एप्प पर पंजीयन करके अपनी सुविधा अनुसार टोकन जारी कर सकते हैं। अगर किन्ही किसानों के द्वारा एक से अधिक गांव में धान का खेती किया गया है तो उनको टोकन जारी करने के दौरान अलग-अलग गांव का नाम चुनकर टोकन जारी करने का विकल्प चयन करना होगा। यह एप्प गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इसके साथ ही राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में भी एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का गठन अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में किया गया है। जिनके द्वारा खरीदी के दौरान धान के रीसाइकलिंग रोकने, कोचिये बिचौलियों के द्वारा धान खपाने से रोकने तथा धान के उठाव एवं परिवहन की निगरानी रखने के लिए राज्य स्तरीय एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के समन्वय में काम करेगें। जिला एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर द्वारा शिकायत या संग्दिध गतिविधि पाये जाने पर तहसील स्तरीय जांच दल को निराकरण हेतु शिकायत की जानकारी उपलब्ध कराया जाएगा। जो संवेदनशील केद्रों में 48 घंटे के भीतर समस्या का निराकरण कर सतर्क एप्प के माध्यम से ऑनलाइन निराकरण अपलोड करेंगे जिसकी निगरानी राज्य स्तरीय एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के द्वारा किया जावेगा। उपार्जन केन्द्र प्रभारीयों को धान खरीदी के आरंभिक तैयारी हेतु 35 बिंदुओं के आधार पर उपार्जन केंद्र में समस्त तैयारी पूर्ण कराने का निर्देष दिया गया जिसका सत्यापन जिला नोडल अधिकाारी द्वारा 28 अक्टूबर तक किया जायेगा। नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के द्वारा अवगत कराया गया कि उपार्जन केंद्रों के नमी मापक यंत्र का सत्यापन तथा तौल कांटे का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका हैं। कलेक्टर के द्वारा समस्त उपार्जन केन्द्र प्रभारीयों को सख्त हिदायत दिया गया है कि केवल पात्र किसानें से ही उचित गुणवत्ता का धान खरीदा जावें तथा कोचियें बिचौलिओं द्वारा धान या पुराना धान ना खपाया जावें। कलेक्टर द्वारा प्रत्येक उपार्जन केन्द्रों में किसानों के विश्राम हेतु किसान कुटीर में पेय जल, पंखा, फस्ट ऐड बाक्स, टेलिविजन एवं शैचालय की उचित व्यवस्था अनिवार्यत: सुनिष्चित कराने के निर्देश दिये गये है। उपार्जन केन्द्र में मानक स्टेकिंग कराने तथा धान खरीदी अवधि, निगरानी समिति, विभागीय टोल फ्री नम्बर 18002333663, समर्थन मूल्य, ट्रस्टेड पर्सन तथा उपार्जन केन्द्र के कर्मचारियों का नाम एवं कार्य आबंटन की जानकारी सहज दृष्य स्थान पर प्रदर्शित कराने का निर्देष भी दिया गया। अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में धान के अवैध आवक को रोकने के लिए 03 चेक पोस्ट भी स्थापित किया गया है। जो नवाटोला बैरियर, चौपता पुल तथा रेवटी में स्थापित किया गया है। बैठक में अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, एसडीएम श्रीमती ललिता भगत, खाद्य अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी एवं समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

# 3 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर ड्राइवर महासंघ

## बस स्टैंड में किया गया धरना प्रदर्शन

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** राज्य में पूर्ण शराब बंदी सहित अपनी तीन सूत्रीय मांगों को लेकर शनिवार को यहां बस स्टैंड परिसर के समीप ड्राइवरों ने धरना प्रदर्शन किया है। छतीसगढ़ ड्राइवर महासंघ के बैनर तले अनिश्चितकालीन कर रहे जिले के ड्राइवरों ने अपनी जिन मांगो को लेकर हड़ताल शुरू किया है उनमें छतीसगढ़ में पूर्ण रूप से शराब बंदी लागू करने, ड्राईवर

वेलफेयर बोर्ड एवं ड्राइवर सुरक्षा कानून बनाये जाने तथा ड्राइवर आयोग का गठन करने कु मांग की गई है। अपनी इन मांगों को लेकर शनिवार को ड्राइवरों ने पूर्ण स्टेरिंग छोड़कर आंदोलन करते हुए धरना प्रदर्शन किया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उपरोक्त मांगों के समर्थन में संगठन द्वारा किसी भी प्रकार की यातायत व्यवस्था बाधित किए बिना केवल मार्ग के साइड पर कैंप लगाकर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।

पदाधिकारियों ने कहा कि हमारा उद्देश्य शासन का ध्यान इन ज्वलंत मुद्दों की ओर ध्यानाकर्षित करना है, जिससे प्रदेश के लाखों ड्राईवरों का जीवन सुरक्षा और सम्मानजनक बने। आज के धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में जिले भर के चालक शामिल हुए।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

# सरगुजा फ्रंटलाइन

## दंडवत होते छठ घाट पहुंचने वाले व्रतियों को शंकरघाट मार्ग की दुर्दशा का झेलना पड़ेगा दंश

# सूर्योपासना का महापर्व छठ नहाय-खाय के साथ शुरू, घाटबंधान आज

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** सरगुजा जिले में लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ नहाय खाय के साथ प्रारंभ हुआ, इसके बाद कठिन साधना का महापर्व 26 से 28 अक्टूबर तक भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। छठ का व्रत महिलाएं संतान की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए करती हैं। इस साल छठ पूजा 25 अक्टूबर को नहान खान से शुरू हो गई है। व्रतियों ने स्नान कर पूरी शुद्धता के साथ भोजन बनाया। भोजन में अरवा चावल, चने का दल, लौकी की सब्जी घी में बनाकर ग्रहण किया। इसके साथ ही कठिन व्रत की शुरूआत हुई। रविवार को श्रद्धालु पूरे दिन निर्जला रहकर शाम को विभिन्न घाटों में पहुंचेंगे और घाटबंधान की विधि पूर्ण करेंगे। इसके बाद घर पहुंचकर खीर, पूरी का प्रसाद बनाएंगे और ग्रहण करेंगे, और निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा।

### शंकरघाट में 50 हजार छठव्रतियों के लिए व्यवस्था

महामाया छठ पूजा समिति के द्वारा शंकरघाट में 50 हजार व्रतियों के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। समिति के प्रमुख विजय सोनी ने बताया कि विगत 26 वर्षों से महामाया छठ सेवा समिति के द्वारा शंकरघाट में छठ व्रतियों के कठिन साधना के लिए तैयारियां की जाती हैं। इस बार 50 हजार व्रतियों के लिए पंडाल के साथ ही बैठक व्यवस्था और ठंड के मौसम को देखते हुए अलावा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए दूध भी समिति की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा चाय, बिस्किट की व्यवस्था समिति की ओर से की गई है।

### शंकरघाट व घुनघुट्टा जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग

शंकरघाट की ओर जाने वाले मार्ग में संजय पार्क के सामने व वन विभाग के बाउंड्रीवॉल के बगल में बाईं तरफ चार पहिया वाहन पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सूटन ढाबा, मुक्तिधाम मोड़, खनिज बेरियर में दोपहिया व पाठ्य पुस्तक निगम के गोदाम में चार पहिया वाहन पार्किंग तथा शिव मंदिर के सामने दोपहिया वाहन पार्किंग कर सकते हैं। इसके अलावा सरगंवा रिसॉर्ट के सामने दो पहिया वाहन, सरगंवा रिसॉर्ट के अंदर, मोंटफोर्ट स्कूल के बगल में तथा प्रतापपुर रोड से शंकर घाट आने वाले मार्ग में सड़क से नीचे किनारे बाएं तरफ चार पहिया वाहन पार्किंग किया जा सकता है।

*अंबिकापुर से घुनघुट्टा नदी छठ घाट पूजा हेतु अपरान्ह 3 से 4 बजे तक जाने वाले सभी चार पहिया वाहन घुनघुट्टा नदी पार करते हुए नदी के दाएं तरफ अपने वाहन को पार्किंग करेंगे। शाम 4 बजे के बाद घुनघुट्टा नदी पुलिया से सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन आमजनता हेतु पूर्णत: बंद रहेगा। दरिमा से घुनघुट्टा नदी छठ घाट पूजा हेतु आने वाले सभी दो पहिया एवं चार पहिया वाहन घुनघुट्टा नदी के पास स्थित फुटबॉल ग्राउंड में पार्किंग किए जाएंगे। अंबिकापुर से दरिमा मार्ग में घुनघुट्टा नदी के पूर्व में सड़क के नीचे बाईं तरफ दोपहिया वाहन पार्किंग व बिलासपुर मार्ग में अंबिकापुर एवं लखनपुर की ओर से आने वाले सभी श्रद्धालुओं के दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों की पार्किंग घुनघुट्टा नदी के पूर्व सड़क के नीचे बाईं तरफ होगी।

**400 से अधिक पुलिस अधिकारी और बल तैनात**-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने जिले में यातायात व्यवस्था सहित सुरक्षा के कड़े प्रबंध करने के दिशा-निर्देश दिए हैं, इसके परिपालन में छठ पर्व के दौरान कुल 14 घाट पर 400 से अधिकारी, पुलिस बल तैनात किए गए हैं। सर्वाधिक खर्रा नदी, घुनघुट्टा बांध एवं शंकरघाट रामानुजगंज रोड़ में 50-50 का बल तैनात किया गया है। सादी वर्दी में बल तैनात किए गए हैं, जिससे भीड़-भाड़ में असामाजिक तत्वों की पहचान कर सख्ती से कार्रवाई और चैन स्नेचिंग सहित अन्य अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके। 5 पेट्रोलिंग टीम की तैनाती रहेगी, जो 2 शिफ्ट में लगातार भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में पेट्रोलिंग करेंगे।

**बड़ी वाहनों का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित**-छठ पर्व के मद्देनजर शनिवार 26 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक व 27 अक्टूबर को के दोपहर 12 बजे से 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजे तक मालवाहक वाहनों का पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। 27 अक्टूबर को शाम 4 के बाद दरिमा की ओर से अंबिकापुर आने वाले सभी प्रकार के वाहनों हेतु घुनघुट्टा नदी पुल से आवागमन पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। पर्व के दौरान सरगुजा पुलिस की सख्त सुरक्षा व्यवस्था रहेगी, जो किसी भी अप्रिय स्थिति में सहायता प्रदान करेंगे।

**वाहनों के आने-जाने का मार्ग परिवर्तित**-शंकरघाट एवं घुनघुट्टा बांध की ओर आने-जाने वाली चार पहिया वाहनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। रामानुजगंज से आने वाली यात्री बस एवं चार पहिया वाहन भकुरा नवापारा होते हुए सरगवां सकालो निकलकर आएंगी। 27 अक्टूबर को शाम 4 बजे के बाद दरिमा की ओर से घुनघुट्टा नदी की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहन एवं घुनघुट्टा छठ घाट में श्रद्धालुओं को छोड़ने आए सभी वाहन डायवर्सन मार्ग दरिमा एयरपोर्ट के आगे हाईस्कूल रोड का प्रयोग कर गंतव्य की ओर जाएंगे। लुचकी से दरिमा की ओर आने-जाने वाली यात्री बसें एवं अन्य वाहनों का करजी चौक तथा नवानगर व दमाली से, दरिमा की ओर से आने-वाली बसों एवं अन्य वाहनों का मार्ग एयरपोर्ट तिराहा से परिवर्तित किया गया है। न्यू बस स्टैण्ड से रायपुर, रायगढ़, बनारस, वाड्रफनगर एवं मनेन्द्रगढ़ की ओर आने-जाने वाली यात्री बसें यथावत चलेंगी। इसी क्रम में न्यू बस स्टैण्ड से प्रतापपुर की ओर आने-जाने वाली यात्री बसें गांधी चौक, अम्बेडकर चौक, बनारस मार्ग, सांई कॉलेज, डिगमा, सरगवां होते हुए आना-जाना करेंगी। रामानुजगंज की ओर आने-जाने वाली यात्री बसें गांधी चौक, अम्बेडकर चौक, बनारस मार्ग, सांई कॉलेज, डिगमा, सरगवां, चिखलाडीह, सिधमा, ककना, होते हुए आना-जाना करेंगी।

सोमवार को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे, वहीं मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर अनुष्ठान पूर्ण करेंगे। शहर में स्थित शंकरघाट, मैरिन ड्राइव, जेल तालाब, शिवसागर बांध, शिवधारी तालाब, चम्बोथी तालाब के अलावा शहर के करीब खर्रा नदी तट, बिलासपुर रोड में स्थित श्री राम घाट सहित जिले के अन्य नदी, तालाबों में श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार श्रद्धा अर्पण करने के लिए उमड़ेंगे। इसे देखते हुए सभी नदी, तालाबों में स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा गया है, वहीं सड़क की दुर्दशा का सामना छठ व्रतियों को करना पड़ेगा। क्योंकि कई छठ व्रती रास्ते भर दंडवत होते छठ घाट तक पहुंचते हैं। गड्ढे और धूल-धुसरित सड़क के कारण इन्हें काफी दिक्कत होगी। छठ पर्व के लिए तैयार घुनघुट्टा श्याम घाट में दो हजार व्रतियों के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। यहां छठ पर्व के मौके पर देव औरंगाबाद के प्रवीण सिंह और उनकी टीम के द्वारा भक्ति कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी, 28 अक्टूबर की सुबह बनारस से आए पुजारियों के द्वारा भव्य गंगा आरती की जाएगी।

# शिवसागर बांध, पैलेस छठ घाट में 500 श्रद्धालु करेंगे अर्घ्य अर्पण, राजपरिवार की है संपत्ति

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** शहर के हृदयस्थल में मौजूद शिवसागर बांध में करीब 500 फिट लंबे पैलेस छठ घाट के प्रथम चरण का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस वर्ष शिवरात्रि में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने इसकी आधारशिला रखी थी। छठ पर्व के पूर्व उन्होंने यह सौगात शहरवासियों को सौंप दी है।

गौरतलब हो कि शिवसागर बांध सरगुजा राजपरिवार की संपत्ति है। छठ पर्व में अगाध श्रद्धा के कारण राजपरिवार ने पहल कर इस घाट का निर्माण कराया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि घाट निर्माण का उद्देश्य छठ पूजा के साथ ही शिवसागर बांध का सौंदर्यीकरण भी है। चूंकि यह राजपरिवार की निजी संपत्ति है अत: राजपरिवार अपने प्रयासों से इसका निर्माण कर रहा है। शहरवासियों के धार्मिक आयोजनों के लिए ये घाट और इसकी व्यवस्था के लिए गठित पैलेस घाट सेवा समिति सदैव उपलब्ध रहेगी। पैलेस छठ घाट के प्रथम चरण के बन जाने के बाद इस क्षेत्र में बडी संख्या में निवासरत लोगों को छठ पर्व के लिए पड़ोस में सुव्यवस्थित घाट प्राप्त होगा। अगामी छठ पूजा तक घाट का विस्तार कर इसे करीब 1000 फिट लंबा बनाया जाएगा। इस वर्ष शिवसागर बांध के घाट पर करीब 500 छठ व्रतियों के लिए व्यवस्था बनाई गई है, जिसमें से 400 घाटखण्डों को छठ व्रतियों ने आरक्षित भी करा लिया है। पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी घाट पर व्यवस्था की जवाबदेही पैलेस घाट सेवा समिति की होगी।

**1000 फिट लंबे घाट निर्माण का लक्ष्य**

सरगुजा राजपरिवार ने शिवसागर बांध के पश्चिमी तट पर लगभग 1000 फिट लंबे छठ घाट के निर्माण का लक्ष्य रखा है। इसमें से 500 फिट लंबे घाट का निर्माण पूर्ण हो चुका है। घाट पर 8-8 फिट चौडाई के 2 स्पान बनाए गए हैं। इससे लगे मार्ग का समतलीकरण कर उसे सुव्यवस्थित किया गया है। छठ घाट के चारों ओर के करीब 700 फिट मार्ग का समतलीकरण किया गया है।

**पैलेस घाट सेवा समिति संभाल रही व्यवस्था**

शिवसागर बांध पर छठ पर्व के आयोजन को व्यवस्थित करने के लिए सरगुजा राजपरिवार के द्वारा विगत वर्ष पैलेस घाट सेवा समिति का गठन कर उसे व्यवस्था की जवाबदेही सौंपी गई थी। समिति के मुख्य संरक्षक पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव हैं। अरुणेश्वर शरण सिंहदेव, आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, बालकृष्ण पाठक एवं भार्गवेन्द्र सिंह इस समिती के संरक्षक हैं। चंद्रप्रकाश सिंह को पैलेस घाट सेवा समिति का अध्यक्ष नामित किया गया था। 25 सदस्यीय इस समिति में भाजपा के स्थानीय पार्षद दीपक सिंह तोमर एवं सिंधु सोनी भी सदस्य हैं।

**अर्घ्य के लिए कच्चा दूध, हवन के लिए आम की लकड़ी**

समिति के द्वारा घाट पर प्रकाश व्यवस्था, चेंजिंग रुम, पार्किंग व्यवस्था को भी अंतिम रुप दे दिया गया है। समिति अपनी ओर से सभी छठ व्रतियों के लिए प्रसाद के रुप में विभिन्न प्रकार के फल के साथ ही अर्घ्य के लिए कच्चा दूध और हवन के लिए आम की लकड़ी के वितरण की व्यवस्था की गई है। इस पूरी व्यवस्था के कार्यान्वयन में शैलेंद्र प्रताप सिंह, आतिश शुक्ला, तृप्तराज धंजल, प्रमोद चौधरी, आलोक सिंह, गुरुप्रीत सिद्धू, अमरजीत अग्रवाल, दिनेश शर्मा, जीवन यादव, अमित सिंह, शुभेंदु घोष, रोशन कन्नौजिया, नितेश सिंह, मुन्ना पांडेय, तीरथ चौधरी, नीलकंठ सोनवानी सहित समिति के सभी सदस्य सक्रिय रूप से दिन-रात लगे हैं।

# पटाखे का धमाका, कुछ देर में खड़ी कार में लग गई आग

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** शनिवार को दोपहरी में केदारपुर तिवारी बिल्डिंग मार्ग पर लम्बे समय से खड़ी कार को शरारती तत्वों ने आग के हवाले कर दिया। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक तिवारी बिल्डिंग मार्ग में नीले रंग की खराब कार खड़ी थी। कार के शीशे खुले और टूटे हुए थे। पास में ही मोहल्ले का उचित मूल्य दुकान भी है। शनिवार को उचित मूल्य दुकान में लोग राशन लेने के लिए आए थे और कुछ बच्चे खेल रहे थे। इसी बीच किसी ने कार के अंदर पटाखा फोड़ दिया। पटाखा फूटने से तत्काल तो कुछ नहीं हुआ, करीब 5 मिनट बाद कार के भीतर से धुंआ उठने लगा और देखते ही देखते कार पूरी तरह से आग की चपेट में आ गया। स्थानीय लोगों ने बाल्टी में पानी लेकर और नल के पाइप से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड को भी दी, इसके बाद फायर स्टेशन की टीम आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर पहुंची, तब तक आग गाड़ी के बोनट तक फैल गई थी। दमकल की टीम ने तत्काल पानी की बौछार करके कार में लगी आग को बुझाया।

# अटल विहार कॉलोनी में बाउंड्री नहीं रहने से बन रही विवाद की स्थिति

## कॉलोनीवासी ने सुरक्षा के लिहाज से अपने खर्च पर किया है गार्ड नियुक्त

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** अटल विहार कॉलोनी, सरगवां में बाउंड्रीवाल का निर्माण नहीं होने के कारण कॉलोनीवासियों में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा निर्मित इस कॉलोनी में बाउंड्रीवाल नहीं होने के कारण आसामाजिक तत्वों का आना-जाना लगा रहता है, जिससे कॉलोनी के लोग परेशान हैं। सुरक्षा के लिहाज से कॉलोनीवासियों ने अपने खर्च पर सुरक्षा गार्ड नियुक्त कर रखा है, जो कॉलोनी में आने-जाने वाले लोगों का रजिस्टर में रिकॉर्ड रखता है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को कॉलोनी में एक मालवाहक वाहन के प्रवेश को रोकने पर आस-पास के लोग गार्ड के साथ गाली-गलौज करने लगे और विवाद की स्थिति बन गई थी। इस दौरान कॉलोनी के अध्यक्ष प्रमोद श्रीवास्तव और अन्य लोग समझाइश देने पहुंचे, उन्हें भी विवाद का सामना करना पड़ा। इससे क्षुब्ध होकर कॉलोनीवासियों ने शुक्रवार को हाउसिंग बोर्ड कार्यालय पहुंचकर अपर आयुक्त एमडी पंचारिया से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्या बताईं। कॉलोनीवासियों ने बताया कि बाउंड्रीवाल का निर्माण नहीं होने के कारण विवादों की स्थिति उत्पन्न हो रही है। पिछले तीन वर्षों से इस मुद्दे को लेकर विभाग का चक्कर लगा रहे हैं, पर उनकी बातें सुनी नहीं जा रही है। घर बेचने के दौरान विभाग ने बाउंड्रीवाल निर्माण कराकर देने की बात कही थी, इसके लिए भवन के मूल्य के साथ बाउंड्रीवाल का भी रुपये लिया है। इसके बावजूद बाउंड्रीवॉल का निर्माण नहीं कराया जा रहा है, जिससे कॉलोनी में रहने वाले खुद को असुरक्षक्षित महसूस कर रहे हैं। अपर आयुक्त ने बताया कि बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है, निविदा प्रक्रिया 6 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी, 10 नवंबर तक काम शुरू हो जाएगा। कॉलोनी के अध्यक्ष ने अपर आयुक्त से अनुरोध किया कि कम से कम चिन्हित क्षेत्र की मार्किंग कर ने की प्रक्रिया पूरी कर दी जाए, ताकि ठेकेदार को काम में कोई दिक्कत न हो। इस पर अपर आयुक्त ने विभाग के ईई को निर्देश दिया है कि वे जल्द से जल्द चिन्हांकन का कार्य पूरा कराएं।

# 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ 28 को

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ समारोह आगामी 28 अक्टूबर, मंगलवार को प्रात: 11 बजे शासकीय बहु उद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अंबिकापुर के खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल होंगे, समारोह की अध्यक्षता सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज करेंगे। विशिष्ट अतिथि विधायक लुण्ड्रा प्रबोध मिंज, विधायक सीतापुर राम कुमार टोप्पो, छ.ग. गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, छ.ग. राज्य युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, नगर पालिक निगम की महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत सरगुजा अध्यक्ष निरूपा सिंह, नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष देव नारायण यादव रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन एवं जिला आयोजन समिति, अंबिकापुर द्वारा किया जा रहा है।

# दुकान के पिलर में बांधकर मारपीट करने का आरोप, दोनों पक्ष पहुंचे थाने

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के रघुनाथनगर थाना अंतर्गत पिकअप वाहन का स्टेपनी, टायर और बैटरी लेने के लिए गए युवक को दुकान के पिलर से बांधकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। दूसरे पक्ष ने भी रघुनाथनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। ग्राम जौराही निवासी विशेष कुमार पिता छवीलाल कुशवाहा 28 वर्ष ने पुलिस को बताया है कि 22 अक्टूबर को वह ग्राम हरिगवां के राजा कुशवाहा के वेल्डिंग दुकान में अपने पिकअप वाहन का स्टेपनी, टायर व बैटरी लेने गया था। सामान मांगने पर राजा कुशवाहा अपने भाईयों व गांव के अन्य लोगों को बुलाकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर राजा कुशावाहा पुष्पराज, रामप्रताप राजू कुशवाहा, मुन्नालाल, अजय, अंकित, शैलेन्द्र उसे दुकान के पिलर में रस्सी से बांध दिए और हाथ मुक्का से मारपीट करने लगे। दूसरे पक्ष से राजा कुशवाहा पिता स्व. हरि प्रसाद कुशवाहा 45 वर्ष, निवासी ग्राम हरिगवां ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 22 अक्टूबर को वह अपने वेल्डिंग दुकान में अपने दो कर्मचारियों शिवपूजन व रामचन्द्र कुशवाहा के साथ था। करीब 7 बजे शाम को ग्राम जौराही निवासी विशेष कुशवाहा व संजय कुशवाहा आए। आरोप है कि विशेष कुशवाहा दुकान के अंदर घुसकर मेरा खरीदा हुआ पिकअप वाहन अपने पास क्यों रखे हो, कहते हुए गाली-गलौज करते हुए किराए में लिए गए पिकअप का भाड़ा नहीं देने की बात कहा और हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगा। करीब 15-20 मिनट बाद अमरेश, राजेश व श्याम मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। पुलिस मामले की अग्रिम जांच, विवेचना कर रही है।

## निधन: इंद्र कुमार सारथी

**अंबिकापुर।** नगर के गांधीनगर हरि देवेंद्रम कॉलोनी निवासी सेवा निवृत्त प्रधान पाठक इंद्र कुमार सारथी का निधन हो गया, वे 70 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे जीबीएस नामक बीमारी से ग्रसित थे। 25 अक्टूबर को अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। वे सरगुजा पेंशनधारी कल्याण संघ के संभागीय अध्यक्ष थे। वे अपने पीछे पुत्र अनुराग सारथी, अभिषेक सारथी व पुत्री शिल्पी समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए। उनका अंतिम संस्कार 26 अक्टूबर को शंकरघाट स्थित मुक्तिधाम में सुबह 10 बजे किया जाएगा। अंतिम यात्रा उनके निज निवास हरि देवेंद्रम कॉलोनी बी 24 से मुक्तिधाम के लिए निकलेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 ( छत्तीसगढ़ ) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर